हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 155 | प्रयागराज, गुरुवार 15 सितम्बर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

आजम खान की और बढ़ सकती हैं मुस्किलें, नवाब काजिम अली ने लगाया-पूर्व नवाब हामिद अली खघन की स्टैचू तोड़ने का आरोप

रामपुर। सपा नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जहां एक तरफ आजम खान मुकदमों की लंबी फेहरिस्त के मकड़जाल में फंसे हैं वहीं दूसरी तरफ रामपुर नवाब खानदान से नवाब काजिम अली खान ने आजम खान और उनके बेटे पर रामपुर के पूर्व नवाब हामिद अली खघन की स्टैचू तोड़ने का आरोप लगाया है। बता दें यह स्टैचू एनएच 24 पर सीआरपीएफ रेलवे क्रॉसिंग के सामने एक पार्क में लगी है इस स्थान को फोटो चुंगी भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर रामपुर के पूर्व शासक नवाब हामिद अली खघन की एक पत्थर की बनी मास्टर पीस प्रतिमा खड़ी है। जिसमें अब स्टेचू के कई पार्ट्स डैमेज हैं जैसे नाक कान आंखें सर पर मुकुट का भाग नवाब की हाथ की तलवार जिस पर उनके पर पोते नवाब काजिम अली खान ने आजम खान अब्दुल्ला आजम और सपा के लोगों पर प्रतिमा को खंडित करने का अंदेशा जताया है। उन्होंने कहा 10 साल पहले सपा शासनकाल में भी आजम खान ने नवाबों की संपत्ति को हानि पहुंचाई थी। उनकी इमारतें, महलों और बनवाए गए गेटों को तुड़वाने की कोशिश की थी और तुड़वाया था। दो–तीन दिन पहले फिर इनके गुंडों ने यह काम किया है। जाहिर सी बात है आजम खान उनका बेटा अब्दुल्ला आजम और उनके जितने गुंडे हैं सपा के गुंडे हैं। उन्होंने यह काम किया है क्योंकि आजम खान की सालों से नवाबों के खिलाफ राजनीति रही है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि थाना सिविल लाइंस में अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस अपनी तफ्तीश में मालूम करेगी कि क्या हुआ है लेकिन मैं चाहता हूं इन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो। नवाब काजिम अली खान उर्फ नावेद मियां ने कहा फोटो चुंगी पर नवाब हामिद अली खान कि एक स्टैचू लगाया गया था नवाब हामिद अली खान रामपुर के नवाब थे, मेरे परदादा थे उनकी डेथ हुई 1930 में 1932 में हमारे दादा जी ने यह स्टेचू लगवाया था पत्थर का बना हुआ है लगभग 90 साल हो गए यह गवर्नमेंट की प्रॉपर्टी है यह जगह जहां पर इसकी स्थापना हुई वह जगह सरकारी है प्रशासन के अंडर में है और 10 साल पहले भी जब आजम खान समाजवादी सरकार थी उसमें भी उसके गुंडों ने उसको तोड़ने की कोशिश की थी फिर उसकी मरम्मत करा दी गई फिर उसमें कोई एक्शन नहीं लिया गया क्योंकि उस समय सपा सरकार थी अब दो–तीन दिन पहले फिर इनके गुंडों ने यह काम किया है और यह जाहिर सी बात है कि आजम उसका बेटा अब्दुल्ला और उनके जितने गुंडे हैं उन्होंने सपा के गुंडे हैं उन्होंने यह काम किया है क्योंकि आजम सालों से उसकी राजनीति ही नवाबों के खिलाफ रही है नवाबों की बनी हुई कोई भी इमारत गेट दीवारें प्रतिमाएं हर चीज को तोड़ने की पूरी कोशिश की गई और तोड़े भी गए हैं नवाब गेट तोप खाना गेट शाहबाद गेट इसने तोड़ा यहां तक के रामपुर के किले को तोड़ने का भी लेटर कलेक्टर को उस समय में लिखा था और रामपुर रजा लाइब्रेरी की बिल्डिंग जो नवाब हामिद अली खघन की खुद की बनवाई हुई थी जिसका नाम हामिद मंजिल है वह भी तोड़ने के लिए शासन को लेटर लिखा था और जिन चीजों को जिन महलों को जिन भवनों को यह तोड़ नहीं पाया उन पर कब्जा कर लिया जैसे मुर्तजा स्कूल जैसे और स्कूल हैं मदरसा आलिया की किताबें चोरी करके अपने यूनिवर्सिटी ले गया और यहां तक कि नूर महल की दीवार तोड़ने के लिए उस समय यहां के नगर पालिका चेयरमैन को उसने कहा था लेकिन यह तोड़ने पाए क्योंकि हमने उस पर लीगल एक्शन लिया।

गुजरात तट पर 200 करोड़ की हेरोइन बरामद, 6 पाकिस्तानी पकड़े

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते ने बुधवार को भारतीय तटरक्षक बल के साथ एक संयुक्त अभियान के दौरान राज्य के तट पर अरब सागर में मछली पकड़ने वाली एक पाकिस्तानी नौका से 200 करोड़ रुपये मूल्य की 40 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। एटीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नौका चालक दल के सदस्य छह पाकिस्तानी नागरिकों को भी हिरासत में ले लिया गया है।

अधिकारी ने कहा कि कच्छ जिले में जखाऊ बंदरगाह के पास तटरक्षक बल और एटीएस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थ ले जा रही मछली पकड़ने वाली नौका को समुद्र में रोक लिया। उन्होंने कहा, हेरोइन को गुजरात तट पर उतारे जाने के बाद सड़क मार्ग के जरिए पंजाब ले जाया जाना था। गुप्त सूचना के आधार पर हमने पाकिस्तान से चली नौका को रोका और छह पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ लिया, जिनके पास से 40 किलोग्राम हेरोइन मिली है। उन्होंने कहा कि जब्त नौका के साथ एटीएस और तटरक्षक बल के अधिकारियों के आज जखाऊ तट पर पहुंचने की उम्मीद है।

रिकार्ड गर्मी ने दिल्ली की आधी आबादी का जोखिम बढ़ाया : डब्ल्यूएमओ रिपोर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मार्च और मई के बीच पांच बार लू चली और तापमान रिकॉर्ड 49.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे दिल्ली की उस आधी आबादी का जोखिम बढ़ गया, जिनकी आय निम्न है और जो अनौपचारिक बस्तियों में रहती है। विश्व मौसम विभाग (डब्ल्यूएमडी) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। 'यूनाइटेड इन साइंस' शीर्षक वाली रिपोर्ट मंगलवार को जारी की गई, जिसमें एक हालिया अध्ययन का भी हवाला दिया गया है, जिसमें यह बात सामने आयी थी कि जलवायु परिवर्तन ने दिल्ली में लंबे समय तक गर्म मौसम की संभावना 30 गुना अधिक बढ़ा दी है और ऐसी ही स्थिति पूर्व औद्योगिक मौसम में लगभग एक डिग्री सेल्सियस ठंडी रही होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक, 970 से अधिक शहरों में रहने वाले 1.6 अरब से अधिक लोग नियमित रूप से तीन महीने के औसत तापमान के संपर्क में आएंगे जिस दौरान तापमान कम से कम 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। डब्ल्यूएमडी के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में मौसम संबंधी आपदाओं की संख्या में पांच गुना वृद्धि हुई है, जिससे औसतन 115 लोगों की जान जाती है और प्रतिदिन 20.2 करोड़ अमरीकी डालर का नुकसान होता है। रिपोर्ट से पता चला है कि ग्रीनहाउस गैस की सांद्रता रिकॉर्ड ऊंचाई तक बढ़ रही है। लॉकडाउन के कारण अस्थायी गिरावट के बाद जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन दर अब पूर्व–महामारी के स्तर से ऊपर है। इसमें कहा गया है कि 2030 के लिए उत्सर्जन में कमी की प्रतिबद्धता पेरिस समझौते के 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य के अनुरूप सात गुना अधिक होनी चाहिए। डब्ल्यूएमओ ने एक बयान में कहा कि पिछले सात साल रिकॉर्ड पर सबसे गर्म रहे। इसकी 48 प्रतिशत संभावना है कि अगले पांच वर्षों में कम से कम एक वर्ष के दौरान वार्षिक औसत तापमान अस्थायी रूप से 1850–1900 के औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होगा। इसके अनुसार जैसे–जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, जलवायु प्रणाली में 'टिपिंग पॉइंट्स' (यानी जब महत्वपूर्ण बदलाव होता है) से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे शहर बढ़ते सामाजिक–आर्थिक प्रभावों का सामना करेंगे, जहां अरबों लोग निवास करते हैं और जो मानव–जनित उत्सर्जन में 70 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी के लिए जिम्मेदार हैं।

भाजपा ने पंजाब में 11 आप विधायकों को खरीदने का किया प्रयास, जान से मारने की धमकी भी दी : चीमा

चंडीगढ। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बुधवार को भाजपा पर राज्य के आप विधायकों को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप दोहराते हुए उन 11 विधायकों का नाम लिया, जिनसे कथित तौर पर भाजपा ने संपर्क किया था। इन विधायकों में दिनेश चड्ढा, रमन अरोड़ा, बुद्ध राम, कुलवंत पंडोरी, नरिंदर कौर, रजनीश दहिया, रूपिंदर सिंह हैप्पी, शीतल अंगुराल, मंजीत सिंह बिलासपुर, लाभ सिंह उगोके और बलजिंदर कौर शामिल हैं। डिप्टी स्पीकर जय किशन रोड़ी के साथ चीमा ने आरोप लगाया कि विधायक शीतल अंगुराल को मंगलवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। उन्होंने कहा, श्वह अकेले नहीं हैं। कुछ अन्य विधायकों को भी भाजपा के एजेंटों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। श चीमा ने आरोप लगाया कि 35 विधायकों से संपर्क किया गया और इनमें से 10 को जान से मारने की ध मकी दी गई है। उन्हें 25 करोड़ रुपये नकद की पेशकश की गई। उनमें से कुछ को सीबीआई और ईडी की धमकी भी दी गयी। चीमा ने कहा, मैं इन विधायकों को पंजाब पुलिस के डीजीपी के पास ले जा रहा हूं, उनसे मामले की जांच करने का अनुरोध करूंगा। हम उनसे एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध करने जा रहे हैं। हम सारे सबूत पेश कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी चीमा ने भाजपा पर आरोप लगाए थे। हालांकि, भाजपा ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इन्हें झूठ का पुलिंदा करार दिया था। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी बुधवार को दावा किया कि भाजपा ने पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के दस विधायकों को तोड़ने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज्यों में विधायकों को खरीदकर सरकारें गिरा रही है।

भारत में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 45,749 हुई

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–19 के 5,108 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,45,10,057 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की तादाद से 46,347 से घटकर 45,749 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, कोविड–19 से 19 और लोगों की मौत होने के बाद मशतकों की कुल संख्या बढ़कर 52,82,16 हो गई है, जिसमें संक्रमण से मौत की पुष्टि के बाद शामिल किए गए केरल के 12 मामले भी शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल संक्रमितों की 0.10 प्रतिशत है, जबकि कोविड–19 से उबरने वालों की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.71 प्रतिशत हो गई है। वहीं, दैनिक संक्रमण दर 1.44 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक दर 1.70 प्रतिशत आंकी गई है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में देश में कुल 3,55,231 नमूनों की कोविड–19 जांच की गई।

कांग्रेस पर फिर बरसे आजाद, कहा-मैं स्टार था पर पार्टी ने मेरी कद्र नहीं की

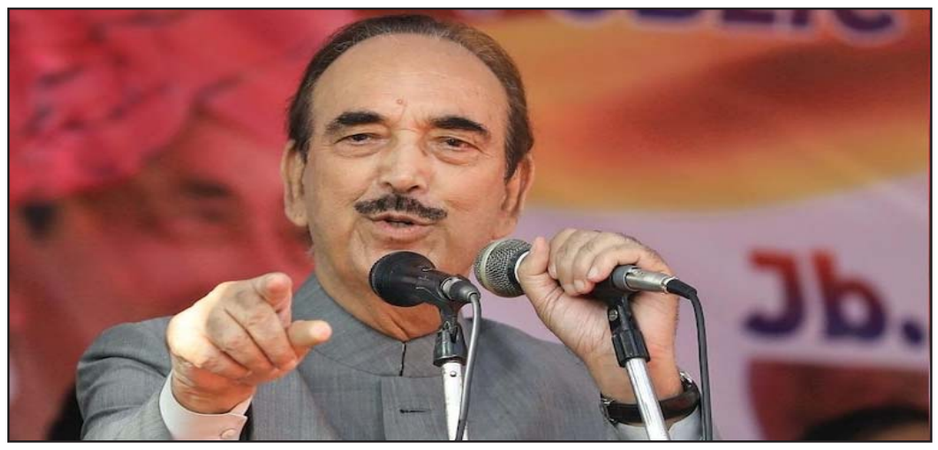

श्रीनगर। गुलाम नबी आजाद भले की कांग्रेस से आजाद हो गये हैं पर पार्टी को लेकर उनका गुस्सा अभी बरकरार है। उन्होंने कहा, श्मैं इंन्दिरा गांधी के समय का स्टार था पर पार्टी ने मुझे दो साल तक यूंह ी बिठाये रखा और मेरी कद्र नहीं की। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर के लोग मेरी कद्र करते हैं और मुझे मानते हैं पर जिस पार्टी के साथ मैने जिन्दगी के पचास वर्ष दे दिये उसी ने मुझे समझा नहीं। गुलाम नबी आजाद जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम भी रह चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस के साथ नाता तोड़ने के बाद नई पार्टी का ऐलान किया है। हांलाकि उन्होंने अभी पार्टी का नाम घोषित नहीं किया पर उनके हित में जम्मू कश्मीर कांग्रेस से करीब 64 विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। गुलाम नबी आजाद अगले दस दिनों में अपनी नई पार्टी का नाम घोषित कर सकते हैं। उनके वर्कर भी आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर तैयारियों में जुट गये हैं। आजाद खुद भी लोगों के साथ बैठकों में भाग ले रहे हैं।आजाद ने कहा कि मीडिया ने उनके बारे में काफी लिखा है और वह इस बात से खुश भी हैं। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ प्रेस कान्फ्रेंस तक सीमित नहीं हूं। मैं स्टार हूं। इन्दिरा जी के समय का पर कांग्रेस ने मुझे दो साल तक बैठाये रखा। मैं मेरे लोगों के बीच लोकप्रिय हूं। जम्मू कश्मीर के लोग मुझे प्यार करते हैं। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी लोगों की पार्टी होगी। लोग सुबह से मुझसे मिलने के लिए आए होते हैं। मैं खुश हूं। मैने लोगों के बीच से ही पार्टी बनाने की शुरूआत की है।

गोवा में भाजपा ने 'ऑपरेशन कीचड़' चलाया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गोवा में अपने आठ विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' की सफलता से हताश भाजपा ने ध्यान भटकाने के लिए 'ऑपरेशन कीचड़' चलाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि भाजपा के इन 'तुच्छ हथकंडों' से कांग्रेस पार पा लेगी। उन्होंने ट्वीट किया, 'भारत जोड़ो यात्रा की जो सफलता दिखाई दे रही है, उसके कारण गोवा में भाजपा का 'ऑपरेशन कीचड़' तेजी से चलाया गया। यात्रा को कमजोर दिखाने के लिए रोजाना ध्यान भटकाने का प्रयास और दुष्प्रचार किया जा रहा है।' रमेश ने कहा, 'हम रुकने वाले नहीं हैं। हम भाजपा के इन तुच्छ हथकंडों से पार पाएंगे।' कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, 'फिर से साबित हो गया कि भाजपा सिर्फ तोड़ ही सकती है।'

गोवा में कांग्रेस का झटका, 8 विधायक भाजपा में शामिल

पणजी। गोवा में कांग्रेस के 11 विधायकों में 8 बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गये। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि कांग्रेस के विधायक बिना किसी शर्त के भाजपा में आये हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि गोवा से 'कांग्रेस छोड़ो यात्राश शुरू हो गई है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष सदानंत शेत तानावड़े के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सावंत ने कहा कि 8 विधायकों के आने के बाद 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। सावंत ने कहा, श्आज के घटनाक्रम के साथ ही भाजपा के पास 33 विधायकों (महाराष्ट्र गोमांतक पार्टी के दो और तीन निर्दलीय विधायकों समेत) का समर्थन हो गया है। गौर हो कि साल 2019 में इसी तरह कांग्रेस के 10 विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे।

चुनावी लाभ के लिए तोड़ा जा हा सामाजिक सद्भाव का बंधन : सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्ष में सत्ता चुनींदा राजनेताओं और व्यापारिक व्यक्तियों में हाथों में केंद्रित हो गई है, जिससे भारत का लोकतंत्र व संस्थाएं कमजोर हो रही हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि संवैधानिक मूल्यों व सिद्धांतों पर हमला किया जा रहा है और चुनावी लाभ के लिए मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने को लेकर सामाजिक सद्भाव के बंधन को जानबूझकर तोड़ा जा रहा है। कांग्रेस प्रमुख ने एक लेख में लिखा कि पहले स्वतंत्र रहीं संस्थाएं अब कार्यपालिका का औजार बनकर रह गई हैं, जो पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, चुनावी चंदे और उद्योगपतियों से सांठगांठ के जरिए अर्जित धन के बल पर चुनाव परिणामों को विकृत किया जा रहा है। सरकारी एजेंसियां सरकार का विरोध करने वाले किसी भी राजनीतिक दल के पीछे लग जाती हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बस खाई में गिरी 11 की मौत, 29 घायल

जम्मू ।जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को एक मिनी बस के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, घायलों में से नौ की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि बस गली मैदान से पुंछ की तरफ जा रही थी और सुबह 8.30 बजे सावजियान के सीमावर्ती इलाके में बरारी नाले के पास यह हादसे की शिकार हो गई। बस 250 फीट नीचे खाई में लुढ़क गई। सेना, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र में संयुक्त बचाव अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि नौ यात्री घटनास्थल पर ही मृत पाए गए, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया और मशतकों के परिजनों के लिए पांच–पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला व महबूबा मुफ्ती सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी हादसे में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

बेकाबू ट्रक चाय की दुकान में घुसा, 3 की मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में बुधवार सुबह अयोध्या–प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग–330 पर कूरेभार बाजार में तेज रफ्तार से आ रहा एक ट्रक टायर फट जाने के बाद अनियंत्रित हो कर एक अन्य ट्रक से टकराया और फिर सड़क के किनारे चाय की एक दुकान जा घुसा। इस हादसे में दो स्थानीय लोगों और ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के लिए क्रेन और जेसीबी की मदद ली गई। कूरेभार के थानाध्यक्ष लक्ष्मीकांत मिश्र ने बताया कि कूरेभार बाजार में पवन नामक व्यक्ति की चाय की दुकान है। रोज की तरह बुधवार सुबह भी उसने 5 बजे के आसपास दुकान खोली। तभी अयोध्या की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक का टायर फट गया और वह अनियंत्रित हो कर दूसरे ट्रक से टकराने के बाद सीधे पवन की दुकान में जा घुसा। मिश्र के अनुसार, हादसे में राजेश अग्रहरी (38), राजन तिवारी (58) और राकेश कसौधन (35) की मौके पर ही मौत हो गई है।

सम्पादकीय

सुरक्षा परिषद में दावा

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता देने की मांग करता रहा है। इस मांग को कई देशों का समर्थन भी प्राप्त है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सऊदी अरब की यात्रा के दौरान फिर इस दावे को दोहराया है। जब सुरक्षा परिषद की संरचना तैयार हुई थी तथा पांच स्थायी सदस्यों का निर्धारण हुआ था, तब वैश्विक स्थितियां कुछ और थीं। सात दशकों से अधिक के अंतराल में दुनिया बहुत बदल चुकी है और उसके सामने प्रस्तुत चुनौतियों एवं भू–राजनीति में जटिलता सघन हुई है।

जयशंकर ने उचित ही रेखांकित किया है कि सुरक्षा परिषद की संरचना में सुधार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तो आवश्यक है ही, ऐसा इसलिए भी किया जाना चाहिए ताकि इस संस्था की प्रासंगिकता भी बनी रहे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और उसकी जनसंख्या 1।40 अरब के आसपास है। हमारी आर्थिक वशद्धि की गति विश्व में सर्वाधिक है। विश्व समुदाय में भारत की छवि सकारात्मक और सम्माजनक है। विश्व के विभिन्न हिस्सों में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भारत का विशिष्ट योगदान रहा है। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में और संयुक्त राष्ट्र के अन्य घटकों की गतिविधियों में भारत की उल्लेखनीय भूमिका रही है। हम परमाणु शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं।

तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने में हम अग्रणी देशों में हैं। दशकों से भारत इस विश्व संस्था में और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अविकसित और विकासशील देशों का नेतश्त्व करता रहा है। कोरोना महामारी के दौर में टीके उपलब्ध कराने के साथ–साथ पिछड़े देशों को सस्ती दवाएं मुहैया कराने का सिलसिला कई वर्षों से जारी है। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का प्रतिनिधित्व भी नहीं है। अगर भारत स्थायी सदस्य बनता है, तो वह इन महादेशों के लिए भी हितकारी होगा। आज स्थिति यह है कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य इस मंच को अपने–अपने हितों के साधने का माध्यम बना चुके हैं। ये देश अन्य देशों के विरुद्ध मनमाने ढंग से युद्ध की घोषणा कर देते हैं या आर्थिक प्रतिबंध लगा देते हैं।

आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराधों की रोकथाम में भी सुरक्षा परिषद प्रभावी सिद्ध नहीं हो सका है। भारत हमेशा समावेशी और पारदर्शी प्रक्रिया का समर्थक रहा है। ऐसा नहीं हो पाने का परिणाम यह है कि आज विश्व में युद्ध व गश्हयुद्ध से संबंधित लगभग 40 हिंसक संघर्ष चल रहे हैं। खाद्य व ऊर्जा का संकट सामने है।

चल तो भारत रहा है, इसमें राहुल महज एक सहयात्री हैं

हिन्दुस्तान एक परिघटना को प्रत्यक्ष होता देख रहा है– कन्याकुमारी से कश्मीर तक कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की पैदल यात्रा के रूप में। श्भारत जोड़ोश के नाम से होने वाली यह यात्रा भीषण राजनैतिक कटुता तथा अभूतपूर्व सामाजिक वैमनस्यता के बीच होने के कारण अनेक संशयों के साथ देखी जा रही है, विभिन्न आरोप लग रहे हैं और कई तरह के कटाक्ष (लग्जरीदार कंटेनर, महंगी टी शर्ट आदि को लेकर) हो रहे हैं। शंका जाहिर की जा रही है कि 2024 का चुनाव जीतने तथा राहुल को श्रिलांचश करने का यह आयोजन हैय और आरोप यह कि विवेकानंद के पांव पड़े बिना ही यह यात्रा हो रही है। तंज तो इतने कि गिना नहीं सकते। बहरहाल, अभी तो पहला हफ्ता ही पूरा हो रहा है। आगे और भी बड़े आरोप लगें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। कुछ समय पहले उदयपुर (राजस्थान) में कांग्रेस के हुए संकल्प चिंतन शिविर की बैठक में लिये गये एक निर्णय के अनुसार यह यात्रा निकली है तब से लेकर इस यात्रा की शुरुआत तक अनेक ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनके कारण यह यात्रा टल सकती थी, बढ़ाई जा सकती थी। उन विषम परिस्थितियों के बावजूद राहुल निकल पड़े हैं। प्रमुख व्यक्तिगत कारण रहे– उनकी मां व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी खासी बीमार हैं और अभी–अभी अपनी मां का निधन होने के कारण वे अपने परिवार के पास इटली में हैं। हाल ही में राहुल और सोनिया नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की लम्बी पूछताछ से गुजरे हैं और कभी भी फिर से बुलाए जा सकते हैं। पार्टीगत कारकों की बात करें, तो नेतृत्व को लेकर कई दिग्गज सहयोगी नेता राहुल पर हमलावर हैं। कुछ उन्हें पार्टी अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं तो कुछ सोनिया को और कई गांधी परिवार से बाहर के किसी को प्रमुख बनाने की बात कह रहे हैं। सभी सूरतों में कांग्रेस व उन पर (सपरिवार) भारतीय जनता पार्टी आलोचना के तमाम मौके भुना रही है। कांग्रेस में रहकर बड़े बने कपिल सिब्बल पार्टी छोड़ गये हैं और आधी सदी इसी दल में रहे गुलाम नबी आजाद एक लम्बी चित्रद्दी सौंपकर निकल लिये हैं। मन न भरा तो एक प्रेस कांफ्रेंस भी कर ली। निशाना राहुल ही हैं। असंतुष्टों का खेमा श्जी–23श लगातार हमलावर है। देश यह भी नहीं भूलेगा कि राहुल जब एक बड़ा राजनैतिक–सामाजिक प्रयोग करने जा रहे हैं, तभी उनकी अपनी पार्टी के भीतर के 5 बड़े नेता आंतरिक चुनावों की प्रक्रिया को लेकर आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। खैर! आखिर क्या इस यात्रा में सिर्फ यही है कि राहुल रिलांच हो रहे हैं। हालांकि ऐसा कहने वाले यह नहीं बताते कि आखिर वे किस बात के लिये रिलांच हो रहे हैं? पार्टी अध्यक्ष के लिये? वे तो अभी भी उस पद को पाने की हैसियत रखते हैं। तो फिर क्या प्रधानमंत्री बनने के लिये? इस संदर्भ में कहा जा सकता है कि कोई उन्हें कितना भी श्पप्पूश समझें, वे जानते हैं कि महज 3 दर्जन से कुछ ज्यादा सीटों के साथ और बहुमत (अकेले या समर्थकों से मिलकर) के बिना वे नहीं बन सकते। फिर, यह भूलना चालाकी व उनके प्रति अन्यायपूर्ण होगा क्योंकि दो बार यह पद उनकी सहज पकड़ में था। यह भी कहा जा रहा है कि श्देश तो पहले से ही जुड़ा हुआ है, तो राहुल आखिर किसे जोड़ रहे हैं?श सच तो यह है कि ये सवाल या तो विरोधी दल, खासकर भाजपा कर रही है अथवा वे जो देश की टूट–फूट में या तो भाजपा के ही सहयोगी हैं अथवा इस विखंडन का लाभ ले रहे हैं। वरना सब जानते हैं कि देश कहां–कहां से व कैसे विभाजित हो रहा हैय और कौन कर रहा है। आज सब कुछ साफ है कि मोदी राज में क्या–क्या टूटा है और क्या–क्या जोड़े जाने की आवश्यकता है। केन्द्र एवं भाजपा शासित राज्यों के पिछले 8–9 वर्षों का घटनाक्रम देखें तो साफ होता है कि भारत के सदियों से समरस समाज में बड़ी दरारें पड़ी हैं। अधिकार प्रदत्त सारी संवैधानिक संस्थाएं एवं राजनैतिक शक्तियां इस बहुलतावादी देश के लोकतंत्र, साम्प्रदायिक सद्भाव, समानता, बन्धुत्व जैसे मूल्यों को बहुमत के बल पर धराशायी कर रही हैं। आर्थिक व सामाजिक विषमताएं बढ़ी हैं। राज्य शक्तिशाली व केन्द्र निरंकुश हुआ है जबकि नागरिक व संघीय ढांचा क्रमशरू कमजोर और जर्जर। भारत की नींव पिछले 8 वर्षों में जितनी दरकी है और उसकी भव्य मीनारों को जितना नुकसान इन्हीं दिनों में पहुंचा है, वह अभूतपूर्व है। यह पूरे देश की एकता व अखंडता को खतरे में डालने वाली राजनीति है जो भाजपा ने अपने क्षुद्र उद्देश्यों के लिये की है। मोदी काल में भारत केवल और केवल टूटा है। राहुल इन्हीं सब टूटे को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिये वे न चुनाव की बात कर रहे हैं और न ही राजनीति की। यात्रा सफल होगी या नहीं, यह पता नहीं लेकिन वे अपना फर्ज निभा रहे हैं। फलित जो हो, पर 150 दिनों तक चलने के बाद राहुल का कद आज के मुकाबले काफी ऊंचा होगा और आज वे जहां खड़े हैं, उनसे काफी आगे पहुंच चुके रहेंगे। उनकी ओर देखने का नजरिया न सिर्फ जनता का बदलेगा वरन उनकी पार्टी के भीतर और विपक्षी दलों का भी परिवर्तित होगा। 3570 किमी चलकर राहुल उस जगह पर होंगे जहां पहुंचने के बाद वे एक अपरिहार्य एलीमेंट बन जायेंगे। उसके बाद अध्यक्ष या पीएम का पद उनके लिये बहुत मायने का नहीं रह जायेगा।

विपक्षी एकता के बाबत उन्हें दरकिनार करने की जो बातें अभी होती हैं, वे बन्द हो जायेंगी। यह भी अभी नहीं कहा जा सकता ये दोनों पद पाने के लिये वे विचार या कोशिश करेंगे या नहीं, क्योंकि ऐसी परिस्थितियां बनेंगी या नहीं, यह तक कहना मुश्किल है।इस यात्रा को लेकर देश के आम लोगों में जो उत्सुकता और उत्साह है वह इसलिये कि अब वे यह खेल समझ चुके हैं कि राहुल गांधी एवं उनकी पार्टी के खिलाफ आखिर क्यों खरबों रुपये खर्च किये गये और उनके मुकाबले एक ऐसे व्यक्ति को श्महामानवश बनाकर पेश किया गया जिसका सत्ता पाने का उद्देश्य वह तो कतई नहीं था, जैसा कि प्रचारित किया गया था। एक के बाद एक फ्लॉप होती योजनाओं से जब श्विकास–पुरुष एवं कथित श्गुजरात मॉडलश की कलई खुल गई तो लोगों को आर्थिक व राजनैतिक रूप से कमजोर किया गया तथा सामाजिक व साम्प्रदायिक विभाजन का गंदा खेल खेला गया ताकि सरकार के खिलाफ देश की कोई सम्मिलित आवाज न रह जाये।

आज का राशिफल

मेष :– बुद्धिमत्ता द्वारा हर दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद संभव।

बृषभ :– अपनी भावुकता पर नियंतग्रखें। हर रिश्ते में स्वयं के अनुकूल अपेक्षाएं नहीं रखें। माता के स्वास्य के प्रति कुछ अनूठी चिंताएं रहेंगी। व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होती नजर आएंगी।

मिथुन :– भविष्य संबंधित कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं किंतु कुछ अच्छे आसारों से मन में प्रसन्नता संभव। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार हैं। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

कर्क :– बीती बातों को भूल वर्तमान के साथ जीना सीखें। भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं मन को प्रसन्न रखेंगी। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु केंद्रित होंगे। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। मन में कुछ नयी इच्छाएं बलवती होंगी। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बनने का प्रयास करें। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। परिवार में खुशहाली भरा माहौल होगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही एवं स्वच्छ योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करें। भावना प्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है। भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी। आवेश व उच्छश्रंखलता पर नियंतग्रखें।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां मन में आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। बिद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– दूसरों की सफलता को देख अपने अंदर हीनता न आने दे। बाहर वालों को समय देने से अच्छा है कि घर में समय देने की चेष्टा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। आलस्य बिल्कुल न करें।

मकर :– भावनाओं पर नियंतग्रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें की समयानुकूल पूर्ति हेतु सक्षम होंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित साधन–व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। किसी पुराने संबंधी से निकटता बढ़ेगी।

मीन :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे। परिवार में खुशहाली रहेगी।

हिंदी में विज्ञानकथा और लेखिकाएं

कथा लेखन के क्षेत्र में लेखिकाएं इस विधा के जन्म से साधनारत हैं। कह सकते हैं कि कई अर्थों में उपन्यास और कहानी स्त्री के अपने मन–मिजाज की विधा हैं। नानी–दादी की कहानियों से जुड़े बच्चों के हुंकारे और 'माँ कह एक कहानी' तक की यात्रा स्त्री कथा की वाचिक परंपरा का गंभीर संकेत देती हैं। जब आधुनिक युग में उपन्यास का जन्म हुआ, तो बड़ी संख्या में शिक्षित स्त्रियां कथा–उपन्यास लेखन के क्षेत्र में प्रवश्त हुईं,लेकिन विज्ञान कथा लेखन के क्षेत्र में न केवल स्त्रियों का, बल्कि पुरुषों का भी रचनात्मक रुझान कम ही हुआ। उपन्यास लेखन का अपना चरित्र,जो गद्यके विकास और जन–समाज के उदय, नये तरह के वर्ग संबंध, सार्वजनिक विचार मंचों के उदय, मनोरंजन के साधनों के उदय और जनतांत्रिक स्पेस की तलाश के साथ जुड़ा हुआ है, उपन्यास और कथा लेखन को अलग तेवर प्रदान करता है। पाश्चात्य संदर्भ की तुलना में अलग तरह के यथार्थबोध के कारण इसका भारतीय संदर्भ और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। यह यथार्थबोध औपनिवेशिक दासता का था,जिससे मुक्ति की छटपटाहट थी। अतिकल्पना और यथार्थबोध के बीच गहरे द्वंद्व से भारतीय उपन्यास, विशेषकर हिंदी उपन्यास, का जन्म होता है। एक तरफ तिलिस्म, ऐय्यारी तथा जासूसी उपन्यास की धारा थी, जिसे सही अर्थों में 'नॉविल' नहीं कहा जा सकता था, क्योंकि वह 'अंग्रेजी के ढंग' का नहीं था। अंग्रेजी ढंग का पहला नॉविल 1882 में लाला श्रीनिवासदास का 'परीक्षागुरु' ही था। आखिर हमारे सामने बाध्यता क्या थी अंग्रेजी ढंग पर नॉविल लिखने की? औपनिवेशिक ढंग का संस्कृति बोध उपनिवेश बनाये गये देशों की सश्जनशीलता और स्वाभाविक लेखन के लिए सोख्ता कागज तो साबित नहीं हो रहे थे! भारत में अंग्रेजी शोषण, दमन और उत्पीड़न जनता की स्थिति को दयनीय बना रहे थे। इनका यथार्थ चित्रण चिंतन का स्वाभाविक फलक था, लेकिन उपन्यास और कथा साहित्य के अन्य रूपों के फलने–फूलने के लिए ये परिस्थितियां बहुत बड़ी बाधा सिद्ध हुईं, विशेषकर यथार्थ और कल्पना का जो अंतर्संबंध है, उसको इसने विच्छिन्न कर दिया। उपन्यास और कथा साहित्य स्त्रियों की अपनी विधा थी। सामाजिक परिस्थितियों के कारण स्त्रियों की जो स्थिति और उनके अवकाश के क्षण थे, उसमें अगर उपन्यास लेखन के यथार्थवादी और अंग्रेजी ढंग की धारा को प्रोत्साहन न मिला होता, तो बहुत से प्रयोग और वैविध्य की संभावना थी। विज्ञान कथाओं का लेखन उनमें से एक होता। एक अच्छी बात थी कि उपन्यास विधा को अपने पाठक–निर्माण में बहुत जल्दी सफलता मिली। स्त्रियां जब किसी विधा में बड़ी संख्या में मौजूद हैं और वह विधा लोकप्रिय है, तो उपन्यास और कथा साहित्य के स्ट्रक्चर में तोड़–फोड़ और परिवर्तन के लिए आधारभूमि मिल जाती है, लेकिन हिंदी में उपन्यास लेखिकाओं ने इस चुनौती का सही जवाब नहीं दिया। उल्लेखनीय है कि महिलाओं ने उपन्यास और कथा के स्ट्रक्चर में अपनी कहानी और दुनिया को घुसा कर बहुत तोड़–फोड़ मचायी है। यथार्थवाद की कठोर संरचना में आहिस्ता से स्त्री की दुनिया और उसका भदेसपन चला आता है। 'मानवीय' संबंधों की जटिलता के साथ–साथ 'स्त्री–पुरुष' संबंधों के प्वाइंटेड सवाल चले आते हैं, लेकिन विज्ञान कथा की एक बहुत बड़ी दुनिया की तरफ हिंदी लेखिकाओं का ध्यान नहीं जाता। विज्ञानकथा की संरचना में तकनीक और कल्पना पर बहुत जोर होता है। प्रस्तुति पक्ष के जरिये वातावरण निर्मित होता है। कल्पना की प्रधानता के कारण कोई भी चीज असंभव और अविश्वसनीय नहीं लगती। दरअसल विज्ञान कथा की दुनिया एक भोले अकृत्रिम विश्वास पर टिकी है कि कुछ भी संभव है, जो मनुष्य की कल्पना का विषय है। विज्ञानकथा की दुनिया का कृत्रिम तनाव वास्तविक दुनिया के तनावों से राहत देने का भी काम करता है और पाठक को व्यस्त रखता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि यह सब परीकथाओं और भूत–प्रेत आदि के अतींद्रिय संसार से भिन्न है। विज्ञानकथा की दुनिया के निर्माण के पीछे कोई कपोल कल्पना या अंधविश्वास नहीं, बल्कि तर्क और बुद्धि है। विज्ञानकथा दरअसल मनुष्य की शक्ति और उसके विस्तार की कथा है। ऐसे में विज्ञानकथा में स्त्री रचनाकारों का प्रवेश एक नये लोकप्रिय विधा को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों के जरिये समश्द्ध करने का सुंदर प्रयास हो सकता था, लेकिन हिंदी में स्त्री लेखन का ध्यान इस तरफ कम है। अभी इस क्रम में अंग्रेजी से अनुदित होकर हिंदी में साधना शंकर का उपन्यास 'आरोहण' (2022) आया है। इस उपन्यास में स्त्री और पुरुष की संतति के लिए आपसी निर्भरता को खत्म कर मश्त्यु जैसे दार्शनिक सवालों का भी विज्ञान के जरिये हल ढूंढ निकाला गया है। उपन्यास को पढ़ते हुए स्पष्टतः एक स्त्री छुवन को महसूस किया जा सकता है। इसके जरिये समझा जा सकता है कि स्त्री जब विज्ञानकथा रचने में प्रवेश करती है, तो वह वैकल्पिक दुनिया रचती है, जो उसके उत्पीड़न और दमन के तमाम रूपों का नकार होता है और प्रतिरोध भी। विज्ञानकथा की इन संभावनाओं को हिंदी की स्त्री रचनाकारों को समझ कर इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में आना चाहिए।**–सुधा सिंह**

हिंदी एक भाषा नहीं-एक संस्कार, एक जीवन शैली है

हिंदी साहित्य और आलोचना को समश्द्ध करने में लगे मनीषी निरंतर यह प्रयास करते रहते हैं कि देश और दुनिया में जो कुछ भी नया घट रहा है उसकी अभिव्यक्ति हिंदी में हो या हिंदी को इतना समर्थ बना दिया जाए कि वह जटिल, वेगवान, विखंडित, तकनीक और विज्ञान प्रधान जीवन के स्पंदन को व्यक्त कर सके। शायद यह स्पंदन दिल की धड़कन जैसा जीवंत नहीं है, संभव है कि यह घड़ी की टिक टिक जैसा एकरस, यांत्रिक और नीरस हो। अब विज्ञान और तकनीकी के असर से जीवन की गति इतनी तीव्र और नियंत्रित है कि मनुष्य किसी एक भाव को आत्मसात नहीं कर पाता, जी नहीं पाता और उसे दूसरे भाव की ओर जबरन धकेल दिया जाता है। एक ऐसी पीढ़ी रूपाकार ले रही है जो प्रेम को जिए बिना प्रेम कर लेती है। घश्णा को समझे बिना घश्णा कर सकती है। हिंसा की आग में झुलस जाती है, झुलसा देती है किंतु उसी तरह अपरिवर्तित रहती है जैसे कोई निर्जीव अस्त्र हो। यह संवेदनहीनता इतनी सहज, इतनी सर्वव्यापी है कि इसे नव सामान्य व्यवहार का अंग मानकर स्वयं को इसके साथ अनुकूलित करना पड़ता है। हम देखते हैं कि हिंदी को इस नए मनुष्य को अभिव्यक्त करने के लिए सक्षम और उससे भी अधिक इस नए मनुष्य के लिए रुचिकर बनाने की जद्दोजहद में बहुत समर्थ रचनाकार तथा आलोचक कथ्य, शिल्प और भाषा के ऐसे प्रयोगों में उलझ जाते हैं जो दयनीय रूप से असफल सिद्ध होते हैं। विद्वत्जनों का यह बंद समाज कभी–कभी आत्ममुग्ध और आत्मरति से ग्रस्त भी लगता है। हम तुकांत रचनाओं को, महाकाव्यों को, अप्रासंगिक कह खारिज कर सकते हैं, हम प्रेमचंद की उदार और उदात्त नैतिकताश को अव्यावहारिक आदर्शवाद बताकर उसका मखौल बना सकते हैं लेकिन इसी विशाल विश्व में हमारी उत्तर आधुनिक सोच से अछूती भी एक दुनिया है जो हमारे लिए इतिहास बन चुके साहित्यिक रूपों में रस तलाशती है। जीवन की विराटता में तकनीकी के रथ पर सवार तूफानी गति से भागता नया मनुष्य भी है जो हमारी –सुनो तो! रुको!! ठहरो!!! – की पुकार को सुनने को तैयार नहीं है। हिंदी के स्वरूप को, उसकी अभिव्यक्तियों को, उसके शब्द भंडार और प्रकृति को निर्धारित करने वाली शक्तियां हमारी सदिच्छा से कहीं अलग बाजार और तकनीकी के द्वारा निर्धारित हो रही हैं। हिंदी के कितने ही स्वरूप गढ़े जा रहे हैं– विज्ञापनों, टीवी सीरियलों, फिल्मों और वेब सीरीजों की अंग्रेजीनुमा हिंदी, दक्षिण की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की डबिंग में प्रयुक्त दृश्यात्मक हिंदी, व्हाट्सएप पर स्टेट्स सुझाने वाले एप्स के अनगढ़, नकलची शायरों और कवियों की कमजोर हिंदी, मंचों पर धमाल मचाने वाले और सोशल मीडिया व यूट्यूब पर लाखों लोगों द्वारा देखे जाने वाले बेतुकी तुकबंदियों वाले कवियों की सजावटी–दिखावटी हिंदी, लाखों शिष्यों और श्रद्धालुओं को अपने सम्मोहन में रखने वाले धर्मगुरुओं एवं प्रवचनकर्ताओं की वाचाल हिंदी, 280 कैरेक्टर्स में अपनी बात रखने को मजबूर करने वाले ट्विटर की तीखी हिंदी, स्वयं को रचनाकार और पत्रकार समझने वाले लाखों युवाओं की फेसबुकिया हिंदी, टीवी चौनलों के महान प्रस्तोताओं की लड़खड़ाती–गड़गड़ाती हिंदी, हिंदी के तत्समीकरण के घातक प्रयासों को सोशल मीडिया के जरिये नए पंख लगाते घश्णा के उपासकों की अन्य भाषाओं के शब्दों के स्पर्श से अपवित्र हो जाने वाली संकीर्ण हिंदी, विश्वविद्यालयों में हिंदी के जरिये अपनी आजीविका चलाते प्राध्यापकों की डराने वाली आडम्बरप्रिय, उत्सवधर्मी हिंदी, अंग्रेजी के बेस्ट सेलर्स को जल्दी से जल्दी पाठकों तक पहुंचाकर रुपया कमाने की हड़बड़ी से ग्रस्त प्रकाशकों के अंग्रेजी दां अनुवादकों की सतही हिंदी, बेरोजगारी से निजात ढूंढते वेबसाइट्स के कंटेंट राइटर्स की मजबूर हिंदी, आम लोगों की समझ में आने वाली हिंदी लिखने की कॉरपोरेट मालिक की सलाह का दबाव झेलते संपादकों की सतर्क हिंदी, छत्तीसगढ़ में दक्षिण भारतीय व्यंजन बेचते अन्ना की व्यवसाय सुलभ हिंदी, उड़ीसा और बंगाल से हिंदी पट्टी में काम की तलाश करते मजदूरों की डरी सहमी हिंदी, कॉल सेंटर में बैठे युवाओं की यांत्रिक हिंदी, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रबंधकों को सिखाई गई चालाक हिंदी आदि आदि।

तकनीक ने हिंदी लिखने का हमारा तरीका बदला है। सबसे लोकप्रिय गूगल इंडिक की बोर्ड अंग्रेजी वर्णमाला की सहायता से हिंदी लिखता है। हमारे दिमाग में हिंदी के शब्दों के जो बिम्ब बन रहे हैं उनकी रचना अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों द्वारा हो रही है। फॉन्ट उपयोगकर्ता की तकनीकी और भाषिक सीमाओं के कारण अनुस्वार और अनुनासिक का खुलकर गलत प्रयोग हो रहा है लेकिन पाठक संदर्भानुसार सही अर्थ समझ भी ले रहा है। आज की आपाधापी में विराम कहां इसलिए विराम चिह्न अप्रासंगिक हो गए हैं। गूगल कहता है–बोलने से सब होता है। लोग फोनेटिक टूल्स का जमकर उपयोग कर रहे हैं, बिना विराम चिह्नों के सही गलत लिखा जा रहा है और भावार्थ समझा भी जा रहा है। गूगल ट्रांसलेट तत्काल अन्य भाषा से हिंदी में अनुवाद कर रहा है, अनेक बार अर्थ का अनर्थ करने के बावजूद यह लोगों को उपयोगी लगता है और यह बेहतर भी होता जा रहा है।हो सकता है कि कभी भक्ति और अध्यात्म या कभी स्वातंत्र्य चेतना और स्वाभिमान हिंदी के स्वरूप के निर्धारक रहे हों किंतु आज तो ऐसा लगता है कि हिंदी बाजार और तकनीक के हवाले है।

– डॉ राजू पाण्डेय

हिंदी भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं

आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा में महज एक मत के बहुमत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया, तो उसे उसकी 'विजय' से ज्यादा आजादी की लड़ाई में उसके योगदान के पुरस्कार के तौर पर देखा गया था और उसके समर्थकों को अगाध खुशी हुई थी। इस खुशी के पीछे कोई संकीर्ण क्षेत्रवाद नहीं था, क्योंकि उस दौर के उसके समर्थकों में उसके क्षेत्र के बाहर के अनेक अन्य भाषा–भाषी भी शामिल थे। इस दिन 'हिंदी दिवस' मनाने की परंपरा चार साल बाद 1953 में तब शुरू हुई, जब वर्धा की राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के इस आशय के अनुरोध को व्यापक स्वीकृति मिल गयी। तब इस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के उन क्षेत्रों में राजभाषा के प्रचार–प्रसार और उन्नयन की गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था, जो तब तक उसकी पहुंच से बाहर थे। साल 1975 में 10 जनवरी को नागपुर में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन हुआ, तो वह दिन विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। हिंदी जगत अभी भी हिंदी को लेकर 14 सितंबर को ही ज्यादा भावुक होता है, भले ही उसके साथ कई विडंबनाएं जुड़ गयी हैं। अब इस दिन देश व दुनिया के भाषाई परिदृश्य में हुए भारी उलट–पलट की अनदेखी कर कभी 'भूली–बिसरी' हिंदी को याद किया जाता है, कभी उसके 'पिछड़ेपन' पर आंसू बहाये जाते हैं, कभी दर्शन, ज्ञान–विज्ञान और चिंतन के बजाय, विज्ञापन व बाजार की भाषा होकर रह जाने को लेकर चिंता जतायी जाती है, कभी प्रचार–प्रसार के प्रति समर्पण की झूठी–सच्ची कसमें खायी जाती हैं और कभी सरकारी दफ्तरों में हिंदी सप्ताह, पखवारे या माह वगैरह मनाये जाते हैं। कभी प्रवासियों में अपनी जड़ों से बढ़ते जुड़ाव के कारण हिंदी वैश्विक दबदबा बढ़ने की बात भी की जाती है। कई बार नयी तकनीक से हिंदी के सबलीकरण की बात भी की जाती है, पर यह भुला दिया जाता है कि तकनीक को ही बहाना बना कर कई जगहों से हिंदी को विदा भी कर दिया गया है।

ये सब अपने रास्ते की वास्तविक चुनौतियों की ठीक से शिनाख्त तक नहीं करने देते, न ही उसकी हित चिंता से जुड़े वास्तविक सवालों को हल होने देते हैं। राजनीतिक प्रवाहों की अनुकूलता व प्रतिकूलता के मद्देनजर कभी वे कहते हैं कि सरकार जानबूझ कर हिंदी के लिए कुछ नहीं करती और कभी यह कि वह हिंदी की राह में भरपूर गलीचे बिछा रही है। कभी वे अंतिरंजना से काम लेते हैं, तो कभी पूर्वाग्रह से, लेकिन कभी भी वस्तुनिष्ठ नहीं हो पाते। उन्हें यह सवाल निमकौड़ी जैसा लगता है कि आजादी के 75 साल बाद भी हिंदी को राज्याश्रय का मोहताज क्यों होना चाहिए। अब तक के राज्याश्रय ने सम्मानितों–पुरस्कृतों और सम्मान व पुरस्कार के आकांक्षियों की जमात बड़ी करने के अलावा उसे क्या दिया है? क्या राज्याश्रय को हमेशा अपने ठेंगे पर रखने वाले भक्त कवियों ने अपने वक्त की प्रतिकूलताओं में भी इस जमात से कुछ कम हिंदी सेवा की? साहित्यकार नरेश सक्सेना को आज की 'राज्याश्रयी शाखा' की करतूतों से क्षुब्ध होकर कहना पड़ा कि हिंदी का भला इसी में है कि उसको फौरन राजभाषा के पद से हटा दिया जाए। उनके इस सवाल का सामना किया जाना चाहिए कि हिंदी राजभाषा न रहे, जो वह वास्तव में अभी बन भी नहीं पायी है, तो किसी भारतीय भाषा को उसके कथित साम्राज्यवाद का भय क्यों सतायेगा या किसी अन्य भाषा को राजभाषा या राष्ट्रभाषा बना दिया जाए, तो हिंदी से क्या छिन जायेगा, जब इस बिना पर उसे कभी कुछ मिला ही नहीं? जिन्हें खुद को राष्ट्रवादी कहने वाली सरकार द्वारा अधिकतर सरकारी योजनाओं के नाम अंग्रेजी में रखने, यहां तक कि नारे भी अंग्रेजी में देने में कोई हिंदी विरोध नहीं दिखता, वे ऐसे सवालों का सामना क्योंकर कर सकते हैं? वे भी नहीं ही कर सकते, जिन्हें पत्रकारिता के हिंदी को पालने–पोषने में अप्रतिम व ऐतिहासिक योगदान के बावजूद उसके जीवन–मरण के संकटों से कोई लेना–देना नहीं है।

उन विश्वविद्यालयों के संकट से भी नहीं, जिसकी गहराई आलोचक विजय बहादुर सिंह के इस बयान से आंकी जा सकती है कि आज हिंदी में जितने भी महत्वपूर्ण काम हो रहे हैं, विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा संस्थानों से बाहर हो रहे हैं। हिंदी के पास जनता के संघर्षों में जूझने वाले कवियों या साहित्यकारों का भी अकाल है। ऐसे उलाहने देने की परंपरा बहुत समृद्ध है कि दक्षिणी राज्यों के विरोध, नकार या अस्वीकार के कारण ही हिंदी वास्तविक राजभाषा नहीं बन पायी है, अंग्रेजी रानी और यह नौकरानी बनी हुई है, लेकिन इस पर विचार नहीं किया जाता कि आजादी के शुरुआती दशकों में हिंदी–हिंदी का शोर मचा कर उन राज्यों में यह धारणा किसने फैलायी कि हिंदी अंग्रेजी का स्थान लेने की उतावली में है और वह दूसरी भारतीय भाषाओं की अंग्रेजी जैसी ही दुश्मन है।

विधानसभा जा रहे सपा विधायकों की पुलिस से धक्का-मुक्की,सपा नेता हिरासत में

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर सपा नेता बुधवार को सड़क पर उतर आए। सपा कार्यालय के बाहर पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान सपा नेताओं की पुलिस की धक्का मुक्की हो गई। पुलिस ने सपा नेताओं को बस से आलमबाग के ईको गार्डन की तरफ भेजा है। दरअसल, समाजवादी पार्टी की ओर से विधान भवन में ध रना देने का एलान किया गया था। नेता अपने घर से निकलते इससे पहले ही उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया गया। अखिलेश यादव के घर के बाहर सुबह से ही पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। पुलिस एक्शन से नाराज सपा विधायक रविदास महरोत्रा अपने ही घर के बाहर धरना पर बैठ गए। बुध वार को विधानसभा स्थित पूर्व प्रध ानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास सुबह 11 बजे से प्रदर्शन करने की तैयारी थी। सपा कार्यालय की तरफ आने वाले दोनों रास्तों को ब्लॉक कर दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम को भी नजरबंद किया गया है। विधानसभा की तरफ किसी को जाने नहीं दिया जा रहा है। लखनऊ पुलिस ने स्टेटमेंट जारी किया है कि किसी भी सपा नेता को अरेस्ट नहीं किया गया है। सिर्फ विधानसभा की तरफ जाने से रोका गया था। अब सभी सपा नेताओं को ईको गार्डन की तरफ भेजा गया है। सपा नेताओं ने आरोप लगाए कि महिला नेत्रियों को पुलिस ने गाड़ियों में धक्का दिया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मी भी नहीं थीं। पुलिस ने प्रदर्शन करने वालों को हिरासत में लेने के लिए 4 गाड़ियां खड़ी की थी। इन्हीं गाड़ियों में ईको गार्डन तक उन्हें भेजा गया है। सपा यूपी में और देश में बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। मुद्दा सपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न, आजम खान पर दर्ज कराए गए मुकदमों का भी है। प्रदेश में सूखा प्रभावित किसानों को आर्थिक मदद नहीं मिलने को भी पार्टी के नेता मुद्दा बना रहे हैं। सपा पार्टी की तरफ से बुधवार सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक प्रदर्शन करना था। ये प्रदर्शन आज से शुरू होकर 18 सितंबर तक चलना है। सपा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने पुलिस फोर्स की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, ष्पुलिस सपा विधायकों को घर से बाहर निकलने नहीं दे रही है, जो घोर निंदनीय है। पहले दिन यानी आज सपा विधानमंडल दल के मुख्य सचेतक मनोज कुमार पांडेय को जिम्मेदारी दी गई। 15 सितंबर को सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, 16 सितंबर को पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद और इंद्रजीत सरोज, 17 सितंबर को विधानसभा में पार्टी के वरिष्ठ नेता राम अचल राजभर करेंगे। 18 सितंबर को धरने का नेतृत्व पूर्व नेता विरोधी दल रामगोविन्द चौधरी और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह करेंगे। आज से शुरू किए जा रहे सपा के धरना प्रदर्शन में किसी भी दिन अखिलेश यादव भी शामिल हो सकते हैं। सपा नेताओं ने बताया, जातीय जनगणना कराने और राज्य कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने की प्रमुख मांग रखी जाएगी। मनोज पांडेय ने कहा, उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरीके से ध्वस्त हो गई है। यह सबसे बड़ा मुद्दा है, इससे हर आदमी प्रभावित है।

सरोजनी नगर मे प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द में बच्चों ने मनाया हिंदी दिवस

लखनऊ। सरोजनी नगर लखनऊ के प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द में बच्चों ने हिंदी दिवस मनाया। प्राथमिक स्तर पर बच्चों मे हिन्दी का रुझान काफी अच्छा रहता है। बच्चों को स्वर और व्यंजन का ज्ञान कराते हुए वर्णमाला मात्रा ज्ञान, शब्द और अनुच्छेदों का वाचन कराना जिस प्रकार प्रत्येक अध्यापक का कर्तव्य होता है उसी प्रकार खेल खेल में हिंदी सिखाना और सीखना बच्चों का रोचक विषय हमेशा से रहा है। हिंदी के महत्व को बताते हुए शिक्षिका रीना त्रिपाठी ने बताया हिंदी की पहेलियां ,अंताक्षरी गीत और कविताएं जहां एकओर बच्चों को एक दूसरे से अपने मन की भावनाओं को कहने को प्रेरित करती हैं। हम बड़े गर्व के साथ विश्व की प्राचीन समृद्ध ,सरल भाषा हिंदी पर गर्व करते हुए हिंदी दिवस आयोजित करते हैं ।हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा होने के साथ ही पूरे विश्व में यह हमें मान सम्मान ,स्वाभिमान और गर्व दिलाती है। हिंदी बोली जाने वाली विश्व की तीसरी बड़ी भाषा है पूरे देश में बेसिक स्तर पर बच्चों को हिंदी का ज्ञान कराना अनिवार्य होना चाहिए।

प्रो. गीता गाँधी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में विशेष व्याख्यान हेतु आमन्त्रित

लखनऊ। यूनेस्को शान्ति शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित व गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल सिटी मोन्टेसरी स्कूल (सी.एम.एस.) की प्रेसीडेन्ट व एम.डी., प्रो. गीता गाँधी किंगडन को विश्व प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा व्याख्यान हेतु विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया है, जहाँ प्रो. किंगडन 'कैनडी स्कूल ऑफ गवर्नेन्स' में छात्रों, शिक्षकों व अनेक विद्वजनों व अमेरिका के संभ्रान्त नागरिकों को 'स्कूल एजूकेशन इन इण्डिया' विषय पर सम्बोधित करेंगी। प्रो. किंगडन 19 सितम्बर को अमेरिका के लिए रवाना होंगी। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी। श्री शर्मा ने बताया कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, आई. वी. लीग यूनिवर्सिटी में शामिल है एवं विश्व की टॉप–20 सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी में शामिल है, जो कि अपने विभिन्न क्षेत्रों में अपने छात्रों के मार्गदर्शन हेतु समय–समय पर विश्व की प्रबुद्ध हस्तियों, विद्वानों व शिक्षाविदों को आमन्त्रित करता है। प्रो. किंगडन वर्तमान में सी.एम.एस. की प्रेसीडेन्ट व एम.डी. का दायित्व निभाने के साथ ही यूनिवर्सिटी कालेज, लंदन के इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन में एजूकेशन एण्ड इकोनॉमिक्स एण्ड इण्टरनेशनल डेवलपमेन्ट की चेयर हैं। प्रो. किंगडन को भारतीय शिक्षा पद्धति में सार्थक व रचनात्मक बदलाव, वैश्विक दृष्टि से उपयोगी एवं छात्रों के लिए शिक्षा को सहज, सरल, ग्रहणशील बनाने के प्रयासों हेतु विशेष रूप से जाना जाता है। श्री शर्मा ने बताया कि प्रो. किंगडन की यह शैक्षिक यात्रा कई मायनों में अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जो न सिर्फ भारतीय शिक्षा पद्धति पर नवीन प्रकाश डालेगी अपितु भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की संस्कृति का भी विस्तार करेगी। इस दौरान प्रो. किंगडन सी. एम.एस. की 'ब्राडर एण्ड बोल्डर शिक्षा पद्धति', जय जगत की भावना व छात्रों को विश्व नागरिक बनाने के सी.एम. एस. के प्रयासों की चर्चा करेंगी। श्री शर्मा ने बताया कि प्रो. किंगडन ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा सी.एम.एस. लखनऊ से एवं उच्चशिक्षा लंदन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से प्राप्त की। आपने लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से बी.एस.सी. (इकनॉमिक्स) की डिग्री एवं आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डेवलपमेन्ट इकनॉमिक्स से डी.फिल की डिग्री प्राप्त की।

संक्षिप्त खबरे

दिल्ली के गंगा राम अस्पताल में सपा नेता आजम खान आईसीयू में भर्ती

लखनऊ। सपा के दिग्गज नेता और रामपुर से विधायक आजम खान को दिल का दौरा पड़ने के बाद दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार दिल की एंजियोप्लास्टी सर्जरी कर हार्ट में एक स्टंट डाला गया है। उनका फिलहाल आईसीयू आईसीयू में इलाज चल रहा है। जहां उनकी तबीयत स्थिर बताई जा रही है। जब वो रामपुर में थे तो उन्हें सीने में जलन, तेज दर्द और सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई थी। मंगलवार को आजम खान दिल्ली आए हुए थे। इस दौरान उन्हें दिल्ली गंगा राम अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल के डॉक्टरों ने जांच के बाद आजम खान को बताया कि उन्हें हर्ट अटैक आया था। जांच में उनके दिल की एक नस में ब्लॉकेज मिला है।

मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वित्त भवन का निरीक्षण किया, परिसर में रुद्राक्ष का पौधरोपण भी किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने गोमती नगर विस्तार सेक्टर (6) में निर्माणाधीन संस्थागत वित्त भवन का निरीक्षण कर, परिसर में रुद्राक्ष का पौधरोपण भी किया। वित्त मंत्री ने भवन निर्माण के कार्यदायी संस्था सी एंड डीएस के अधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन निर्माण का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। निर्माण कार्य लक्षित समय में पूर्ण करने के साथ भवन में बिजली, पानी एवं फायर फाइटिंग सिस्टम को व्यवस्थित एवं उच्च गुणवत्ता से युक्त स्थापित किए जाएं। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तेरहवां 'द एजुकेशन समिट' का 17 सितंबर को राज्यमंत्री संदीप सिंह करेंगे उद्घाटन

लखनऊ। 'टाइम टू ग्रो' उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से 17 सितंबर को यहां ताज महल होटल गोमतीनगर में 13वाँ 'द एजुकेशन समिट' आयोजित कर रहा है। इस सम्मेलन में सम्मान व पुरस्कार वितरण, एक्सपो, नेटवर्किंग और विद्यालयीय शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। कई प्रसिद्ध शिक्षक, सरकारी गणमान्य व्यक्ति और उद्योग जगत के नेता शिखर सम्मेलन की शोभा बढ़ाएंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह होंगे। सम्मेलन की जानकारी देते हुए टाइम टू ग्रो की सह–संस्थापक और उपाध्यक्ष डॉ शशि पांडे शर्मा ने बताया कि यह सम्मेलन एड–टेक संगठनों और स्टार्टअप्स के लिए शिक्षा बिरादरी के बड़े लोगों के सामने अपनी नवीनतम एड–टेक रेंज के उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित करने, और प्रमुख हितधारकों के बीच रुचि जगाने का एक उत्कृष्ट अवसर होगा। यहां प्रतिभागियों को मिलने वाला मार्गदर्शन और विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा, प्रदर्शनी, प्रेजेंटेशन इत्यादि उनके लिए सफलता के नए रास्ते तलाशने में मददगार साबित होंगी। सम्मेलन में प्रदेश सरकार व टाइम टू ग्रो के प्रतिनिधियों के अलावा कूल एड सिस, एनटैब, किडेक्स, एप्सन और किडजानिया जैसी प्रतिष्ठित कंपनिया सहभागी होंगी।

माफियाओं पर सख्त योगी सरकार सख्त

लखनऊ। यूपी में अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी ने अपराधी और माफियाओं की कमर तोड़ दी है। सिर्फ गिरफ्तारी ही नही, अवैध निर्माण पर बुलडोजर और अवैध संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई भी हो रही है। आंकड़े इस बात की गवाही दे रहें है। दोबारा सत्ता संभालने के बाद से सीएम योगी ने माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ एक्शन जारी रखा हुआ है। उत्तर–प्रदेश में पिछले 66 महीनों में माफियाओं और अपराधियों की 4 हजार करोड़ की अवैध संपत्तियों को जब्त कर लिया गया है। इतना ही अतीक अहमद की 959 करोड़ तो मुख्तार अंसारी की 448 करोड़ की अवैध संपत्तियां जब्त हुई है। आज माफिया अतीक अहमद का लखनऊ में बना बंगला कुर्क होगा। इसके लिए प्रयागराज पॉलिसी टीम लखनऊ के लिए रवाना हो गई हैं। अवैध संपत्तियों के जब्तीकरण में गोरखपुर जोन में सबसे ज्यादा 593 करोड़ से ज्यादा अवैध संपत्तियां हुई, कानपुर कमिश्नरेट में कुल 792 करोड़ से ज्यादा की अवैध संपत्तियां जब्त हुई।

व्यापारीयों का ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में प्रदर्शन आज

लखनऊ। ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सदस्य गुरुवार को लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में विरोध प्रदर्शन करेंगे। संगठन के अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि ऑनलाइन ट्रेडिंग से देश के सात करोड़ व्यापारियों का कारोबार बर्बाद हो रहा है। 100–200 रुपये तक का सामान ऑनलाइन ट्रेडिंग से खरीदा जा रहा है। उन्होंने खुदरा व्यापार को बचाने के लिए ऑनलाइन ट्रेडिंग पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी जनपद तहसील में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम के माध्यम से दिया जाएगा।

मलिन बस्तियों में लगा जागरूकता शिविर

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय, लखनऊ के स्कूल ऑफ होम सांइस के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा लखनऊ शहर के कुछ स्थानों पर पोषण सम्बन्धी जागरूकता अभियान आयोजित किया गया था। आशियाना तथा रशमी खण्ड क्षेत्र में विशेषकर मलिन बस्तीयों में पोषण सम्बन्धी जागरूकता शिविर लगाया गया था।

हिंदी सिर्फ भाषा नही बल्कि आदर्शों की संवाहक : योगी

हिंदी दिवस पर सीएम ने दी बधाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। भारत में राष्ट्रीय हिंदी दिवस को काफी महत्व दिया जाता हैं क्योंकि यह हमारे देश की राष्ट्रीय एवं मातश भाषा हैं। 14 सिंतबर को देश में हिंदी दिवस काफी धूमधाम से मनाया जाता हैं और बुधवार को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर बधाई दी और व्यापक तौर से जनता को संबोधित किया ।योगी ने कहा कि हिंदी मात्र एक भाषा नहीं बल्कि जीवन मूल्यों व आदर्शों की संवाहक है। मुख्यमंत्री ने ट्वीटर के माध्यम से कहा कि सभी प्रदेश वासियों व हिंदी प्रेमियों को हिंदी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हिंदी मात्र एक भाषा नहीं अपितु भारतीय संस्कृति की अनन्य प्रतीक है। भारतीय संस्कारों, जीवन मूल्यों व आदर्शों की प्रबल संवाहक है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हिदी दिवस की बधाई दी। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि हिंदी प्रेमी साहित्यकारों, भाषाविदों, लेखकों एवं शिक्षकों को हिन्दी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आइए हम सब अपने लेखन एवं वार्तालाप में अपनी मातश्भाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का संकल्प करें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेशवासियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं बल्कि भावों की अभिव्यक्ति है। आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी हिंदी दिवस के मौके पर प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दीं।

यूपी के 13 जिलों में बनेंगे 18 नये थाने, गृह विभाग ने दी मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में 18 नए थानों की स्थापना को गश्ह विभाग ने मंजूरी दे दी है। प्रमुख सचिव गश्ह विभाग संजय प्रसाद ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। देवरिया, गाजियाबाद, कानपुर देहात, कुशीनगर और औरैया जिले में दो–दो नए थाने स्वीकृत किए गए हैं। लखनऊ ग्रामीण में भी एक थाने की स्थापना की जाएगी। गश्ह विभाग के आदेश के मुताबिक गाजियाबाद में विजय नगर थाने को काटकर क्रासिंग रिपब्लिक थाना और मसूरी व कविनगर को काटकर वेव सिटी थाना बनाया जाएग. कुशीनगर में पटहरेवा को काटकर चौराखास और पडरौना को काट कर रविंद्र नगर धूस थाना बनाया जाएगा। कानपुर देहात के शिवली थाने को काटकर मैथा थाना और रनियां पुलिस चौकी को थाना बनाने का आदेश जारी हुआ है। आदेश में देवरिया के थाना रूद्रपुर को काटकर सुरौली और खामपार एवं बनकटा को काटकर श्रीरामपुर थाने की स्थापना को मंजूरी दी गई ।

वोट हमारे पास है, बूथ तक पहुंचाना काम : अखिलेश

लखनऊ। पार्लियामेंट इलेक्शन अभी बहुत दूर है मगर सियासी गुणा भाग इतनी बढ़ गई है जैसे चुनाव करीब हो। यूपी में तो बीजेपी और सपा की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी खिलाफ प्लान तैयार कर लिया है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां तैयारी में लग चुकी है। बीजेपी रणनीति को अमलीजामा पहनाने में लगी है तो समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मोर्चा संभाल लिया है। लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा, हमें अपने बूथ पर तैयारी कर मैदान में उतरना है। बूथ फिट तो समाजवादी पार्टी हिट होनी तय है। संगठन अच्छा तो रिजल्ट बहुत अच्छा होगा। सदस्यता अभियान चल रहा है जो करीब एक महीना और चलेगा। सपा का राष्ट्रीय सम्मेलन होगा इसके बाद सपा का बूथ स्तर पर संगठन होगा। हर बूथ पर मक से कम एक सक्रिय सदस्य हो। हमारी पार्टी इस काम में लगी है। वोट हमारे पास हैं। वोट जनता सपा को देना चाहती है, अब केवल हमारे संगठन को वोट बूथ तक पहुंचाने का काम करना है। बीजेपी के अंदर इतना झगड़ा है, जिसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता है। जनता समाजवादी पार्टी के साथ है और 2024 में साफ दिखेगा।

सपा एमएलए बोले, योगी जी आप सत्ता के बल पर कर रहे तानाशाही

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को विधानसभा भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास धरना देने का ऐलान किया है। ऐसे में पुलिस ने पार्टी विधायकों के घर पर पुलिस का पहरा लगा दिया गया है। विधानमंडल सत्र से पहले बुधवार से 18 सितंबर तक प्रतिदिन प्रदेश सरकार के खिलाफ विधान भवन में प्रदर्शन का निर्णय लिया है। प्रदर्शन से पहले ही सपा विधायकों को नजरबंद कर दिया गया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के घर को भी पुलिस ने घेर रखा है। बता दें कि सुबह से ही सपा विधायकों के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर भी भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल, मानसून सत्र से पहले समाजवादी पार्टी ने महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, किसानों आदि की समस्याओं को लेकर सपा विधायकों को चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन करना था। प्रदर्शन से पहले ही सपा विधायकों के घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया गया है। सपा का आरोप है कि विधायकों को घर से निकलने नहीं दिया जा रहा है। पार्टी ने इसकी घोर निंदा की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद ट्वीट कर सरकार पर तमाम आरोप लगा रहे हैं। इतना ही नहीं सपा ने ट्वीट कर योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। सपा ने कहा कि योगी जी आप पुलिस और सत्ता के बल तथा तानाशाही करके जनहित के मुद्दे पर धरना प्रदर्शन करने वाले विपक्षी विधायकों ,कवरेज करने वाले मीडिया बंधुओं को तो रोक सकते हैं, लेकिन कल को जब जनता का हुजूम सड़कों पर उतरेगा तो आप क्या करेंगे। विपक्ष जनता की आवाज है ,जनता की आवाज मत दबाइए। दूसरे ट्वीट में लिखा कि जब निरंकुश और तानाशाह सत्ता बेकाबू होती है तो जनता की बगावत अंगड़ाई लेती है। जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों पर आपातकाल की एक घटना दशकों पहले हुई थी जिसने तत्कालीन सत्ता को उखाड़ फेंका था। इतिहास वापिस और दोहराव के मुहाने पर आ गया है।

भारतीय जनता पार्टी का कोई छुपा एजेंडा नहीं : भूपेंद्र

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा एक वैचारिक राजनैतिक संगठन है। हम अपनी संस्कृति आस्था और विरासत विचार को लेकर चलते हैं। हमारे अतिरिक्त सारे विचार विदेशी हैं। हम ही स्वदेशी और राष्ट्रवादी हैं बाकी सारे विचार बाहरी हैं।यह बात विश्वेश्वरैया हॉल में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन अवसर पर कहीं। उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कोई भी छुपा हुआ एजेंडा नहीं है। जनसंघ के समय से भाजपा ने जो तय कर लिया था वही उनके घोषणापत्र में है।कुछ भी हमने नहीं बदला। भूपेंद्र सिंह ने जनसंघ की स्थापना से लेकर 2022 तक भारतीय जनता पार्टी के हालातों पर तमाम जानकारियां दीं। हम भारतीय जनता पार्टी और अपने विचार को तीन खंडों में बांट सकते हैं। हम 1951 से 1977 तक 1977 से 2014 तक और 2014 से अब तक हैं। 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की थी। हमने पहले चुनाव में तीन प्रतिशत वोट पाए। इसके बाद 1956 के चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी बलरामपुर से जीतकर संसद पहुंचे थे और इसके बाद कभी भी भारतीय जनता पार्टी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों को कहा कि वे किसी के बहकावे में न आएं और समाज के बीच में जाकर भारतीय जनता पार्टी सरकार और संगठन किस तरह से सबका साथ सबका विकास के लिए लगा हुआ है ।उसकी जानकारी देकर अपना आधार बढ़ाएं। अल्पसंख्यक कल्याण व कार्य राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कैसे काम करेगा। यह अगले तीन दिन में तय किया जाएगा। हमने पूरी ईमानदारी से जमीन पर काम किया है।

पासपोर्ट कार्यालय में हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ

लखनऊ। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ में हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी कनिष्क शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्जवलित कर हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ किया। इस मौके पर आयोजित कार्यशाला 'राजभाषा नीति नियमों, टिप्पणी आलेखन में मुख्य अतिथि सीडीआरआई के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. वीएन तिवारी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी कनिष्क शर्मा ने कार्यालय में हिन्दी में हो रहे कार्यों को विस्तर से बताया। राजभाषा कार्यान्वयनन समिति सचिव संजय कुमार वर्मा ने 14 से 28 सितम्बर के बीच हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत होने वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का आह्वान किया। यह भी बताया कि 29 सितम्बर को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विजेताओं को नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

प्रमुख सचिव/नोडल अधिकारी ने जनपद में मा0 मंत्रीगणों के द्वारा भ्रमण के समय दिए गए निर्देशों के अनुपालन आख्या की समीक्षा की

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा तथा कौशल विकास विभागध्नोडल अधिकारी श्री सुभाष चन्द्र शर्मा ने बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में मा0 कैबिनेट मंत्री श्री अनिल राजभर, मा0 राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) श्री अरूण कुमार सक्सेना एवं श्री के0पी0 मलिक राज्यमंत्री के जनपद भ्रमण दिनांक 06. 05.2022, मा0 उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी के दिनांक 10.06.2022 तथा मा0 कैबिनेट मंत्री श्री जयवीर सिंह एवं श्री मनोहर लाल मन्नू कोरी जी के दिनांक 25.08.2022 के जनपद भ्रमण के समय की गयी बैठकों एवं निरीक्षणों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन आख्या के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने एंटीग्रेटेड कोविड कमाण्ड सेंटर, निराश्रित गोवंश का संरक्षण, गोवंश आश्रय स्थलों पर भूसा–चारें की उपलब्धता, मुख्यमंत्री निराश्रितध्बेसहारा गोवंश सहभागिता, स्कूल चलों अभियान, आपरेशन कायाकल्प, चिकित्सों की उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित विषयों के सम्बंध में मा0 मंत्रीगणों के द्वारा भ्रमण के समय दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गयी। उन्होंने गोल्डेन कार्ड की समीक्षा में विशेष अभियान चलाकर गोल्डेन कार्ड बनाये जाने के लिए कहा है। जल जीवन मिशन योजना फेज–1 में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में प्रगति अच्छी न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के लिए कहा है। सहभागिता योजना में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारी ने सहभागिता योजना के तहत संरक्षितधनिराश्रितध्बेसहारा गोवंशों को पशुपालकों को सुपुर्द किए जाने की रैण्डम जांच करने के लिए कहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की द्वितीय किस्त दिए जाने की जानकारी लिए जाने पर परियोजना निदेशक ने बताया कि 97 प्रतिशत द्वितीय किस्त लाभार्थियों को दे दी गयी है। उन्होंने शेष बचे हुए सामुदायिक शौचालयों के निर्माण कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

विद्युत विभाग के अनुपालन आख्या की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने विद्युत आपूर्ति की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की साथ ही साथ उन्होंने विद्युत बिल के ओवरबिलिंग के शिकायत के निस्तारण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कैम्प लगाकर विद्युत से सम्बंधित समस्याओं को निस्तारित करने के लिए कहा है। गोवंश आश्रय स्थलों में चारा–भूसे सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर की बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में 17 सितम्बर, 2022 को मा0 प्रधानमंत्री महोदय के जन्म दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कराये जाने हेतु बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि रक्तदान शिविर (मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प) कार्यक्रम 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर तक चलेगा। ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन स्वयंसेवी संस्थाओं, कार्यदायी संस्था, पुलिस विभाग द्वारा भी किया जायेगा। इस विशेष अभियान की विषयवस्तु ''रक्तदान सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। इस प्रयास में सम्मिलित होकर जीवन बचाये के अन्तर्गत जागरूकता बढ़ायी जानी है। कैम्प का आयोजन रूद्र अपार्टमेंट नैनी, प्रीतमदास सभागार मेडिकल कालेज, कनक नर्सिंग होम जारी, एन0सी0सी0 6वी यू0पी0 बटालियन, टी0बी0 सप्रू चिकित्सालय रक्तकोष, ए0एन0एच0ए0 रक्तकोष सहित गंगापार एवं यमुनापार के विभिन्न स्थानों पर किया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष श्री गणेश केसरवानी, गंगापार अध्यक्ष सहित यमुनापार अध्यक्ष के प्रतिनिधिगणों के अलावा सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंग्रेजी हटाओ का नारा देकर डा. लोहिया हिन्दी आंदोलन के सूत्रधार बने : पं० शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। समाजवादियों ने हिन्दी आंदोलन को आम आदमी से जोड़ने का काम किया। साठ के दशक में अंग्रेजी हटाओ का नारा देकर डा. लोहिया हिन्दी आंदोलन के सूत्रधार बने। आजादी के बाद लोकसभा में हिन्दी बोलने वाले डा. लोहिया ने नई संसदीय परम्परा में सश्जन किया। जो आज तक कायम है। यह बात गांधी भवन में गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट के तत्वावधान में हिन्दी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी चिन्तक राजनाथ शर्मा ने कही। इस दौरान उन्होंने डॉ राममनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके हिन्दी आन्दोलन को याद किया। श्री शर्मा ने कहा कि हिन्दी हमारी पहली भाषा होनी चाहिए। दूसरी भाषा के तौर पर क्षेत्रीय भाषाओं को महत्व देना चाहिए। अंग्रेजी भाषा का चलन समाप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की भाषा उस मुल्क की पहचान होती है। आजादी के 75 वर्षों बाद भी हम अपनी पहचान की लड़ाई आज तक लड़ रहे है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा

बनाने की बात कही थी। उन्ही के प्रयास से दक्षिण भारत, उत्तर भारत, पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी प्रचारणी सभा, हिन्दी विकास सभा का गठन हुआ। वरिष्ठ अधिवक्ता सरदार राजा सिंह ने कहा कि मेरे पिता स्व. बेअन्त सिंह भी छात्र जीवन में हिन्दी आन्दोलन से जुड़ गए। उन्होंने देश के सर्वोच्च सदन राज्यसभा में हिन्दी भाषा के समर्थन में पर्चा फेंका और जेल गए। समाजसेवी विनय कुमार सिंह ने कहा कि आजादी के बाद हिन्दी को राजभाषा का दर्ज दिया गया। लेकिन सात दशक बीत जाने के बाद भी हिन्दी को वह सम्मान नही मिल पाया जो मिलना चाहिए। यह हमारे लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। हमे बोलचाल और कामकाज में हिन्दी भाषा का प्रचलन शुरू करना चाहिए। तभी हिन्दी को उचित सम्मान मिल सकता है। सभा का संचालन पाटेश्वरी प्रसाद ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से साकेत मार्या, मश्त्युंजय शर्मा, सत्यवान वर्मा, धनंजय शर्मा, तरुण मिश्रा, अजीज अहमद अज्जू, मनीष सिंह, नीरज दुबे, आयुष यादव, विजय कुमार सिंह, जमाल

हिंदी दिवस पर छात्र छात्राओं ने चार्ट, पोस्टर प्रतियोगिता में अपने भावों को दर्शाया

बाराबंकी। हिंदी दिवस पर बनीकोडर क्षेत्र के ग्राम छंदवल में स्वयं सेवी संस्था बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान द्वारा संचालित चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल के छात्र छात्राओं ने चार्ट, पोस्टर प्रतियोगिता में अपने भावों को बहुत सुंदर तरीके से उकेरा। घर की बोल चाल की भाषा में हिंदी के साथ बोले जाने वाले अंग्रेजी के शब्दों को बच्चों ने अपने चित्रों के माध्यम से बताया। प्रतियोगिता में बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए प्रबंधक रत्नेश कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी जननी भाषा है, अवधी जननी की मूल है, अवधी यानी गांव की बोलचाल की भाषा को हीन भावना से नही लिया जाना चाहिए। प्रतियोगिता में कक्षा पांच की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जिन्हें गांधी जयंती के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

खपरैल के मकान में लटकती मिली युवक की लाश

बस्ती। जिले के पैकोलिया थाना क्षेत्र के पटना गांव एक युवक की लाश खपरैल के मकान की मुंड़ेर से कपड़े के फंदे के सहारे लटकते मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ दुर्गेश कुमार पांडेय ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह साफ होगी। पैकोलिया थाना क्षेत्र के पटना गांव निवासी रंजीत यादव (26) मंगलवार शाम खाना खाकर परिवार के साथ बरामदे में सोये थे। रात में तेज हवा व बारिश के समय घर के अंदर सोने चले गए। बुधवार सुबह उनकी भाभी घर के अंदर झाड़ू लगाने गई तो उनकी नजर मुंड़ेर में कपड़े के सहारे अपने देवर के लटकते शव पर पड़ी। घबराकर शोर मचाया। परिवार व आसपास के तमाम लोग इकट्ठा हो गए। प्रधान भागवत प्रसाद चौहान ने घटना की सूचना पैकोलिया पुलिस को दी। मृतक के पिता जवाहर यादव ने बताया कि उनकी पत्नी यानी मृतक की मां शांति देवी की मौत पहले ही हो चुकी है। मृतक के चार भाई व दो बहन थी।

पति ने पत्नी की हत्या कर लगा ली फांसी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। बहराइच के बौंडी थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी की हत्या कर खुद फांसी लगा ली। ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल दोनों की डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बौंडी इलाके के बभनौटी शंकरपुर गांव निवासी सम्मारी (30), पत्नी श्रीदेवी (29) व तीन बच्चों के साथ रहता था। मंगलवार की रात दंपति में अवैध संबंध के शक को लेकर आपसी कहासुनी हुई। देर रात मामला इतना बढ़ गया कि पति सम्मारी ने गला दबाकर पत्नी श्रीदेवी की हत्या कर दी। मृत पत्नी को देख सम्मारी होश खो बैठा। उसके बाद बड़ेर में फंदे से लटककर सम्मारी ने भी अपनी जान दे दी। घटना की सूचना पर सैकड़ों ग्रामीणों भी मौके पर इकट्ठा हो गए। बौंडी पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे प्रभारी एसओ विकास वर्मा ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू की। सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अशोक कुमार, क्षेत्राधिकारी कैसरगंज कमलेश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष हरदी ज्ञान सिंह मौके पर पहुंचे व जांच पड़ताल शुरू किया। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच नमूने इकट्ठे

किए। एएसपी ने बताया कि विधिक कार्रवाई की जा रही है। परिजनों ने बताया कि दोनों में सबकुछ सही चल रहा था। लेकिन बीते तीन से चार महीनों से दोनों के बीच बात बिगड़ी थी। पति को शक था कि पत्नी श्रीदेवी किसी पुरूष से रात में फोन पर बात करती है। यही नहीं उसे लगता था कि वह उससे मिलती भी थी। मंगलवार रात को भी इसी बात पर दोनों में लड़ाई हुई। जोकि हाथापाई में बदल गई। गुस्से में सम्मारी ने श्रीदेवी का गला दबा दिया। काफी देर तक श्रीदेवी खुद को छुड़ाने के छटपटाती रही लेकिन लोहार सम्मारी की पकड़ मजबूत थी। कुछ देर में ही श्रीदेवी ने दम तोड़ दिया। मृतक के पिता मूलचंद्र व मां का रो–रो कर बुरा हाल है। दोनों काफी बुजुर्ग हैं। उनकी आंखों से आंसू रूकने का नाम नहीं ले रहा है। रोते रोते पिता मूलचंद्र बताते हैं कि सम्मारी हमारा इकलौता बेटा था। वही हमारे बुढ़ापे का साथी था। वह अपनी पत्नी के साथ हाता पर रहता था। मूलचंद्र ने बताया कि मृतक दंपति के तीन बेटे धर्मेंद्र (07), जितेंद्र (05) व रविंद्र(02) है। मूलचंद्र को सरकारी आवास मिल गया था।

संक्षिप्त खबरे

चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा गया युवक

बहराइच। छावनी चौराहे स्थित एक एसी पार्ट्स की दुकान पर मंगलवार देर शाम चोरी कर रहे युवक को रंगे हाथों पकड़ा गया। कारोबारियों ने युवक को जमकर धुना। पुलिस को सौंपे जाने पर उसकी निशानदेही पर बर्तन वाली गली में दबिश देकर चोरी का गलाया गया तार सहित युवक पकड़ा गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। दरगाह थाने के छावनी चौराहे के पास नब्बू पुत्र शौकत अली की एसी पार्ट्स की दुकान है। उनकी दुकान के अंदर स्टोर से तार चोरी हुआ था। मंगलवार देर शाम नब्बू व अन्य स्टाफ ने दुकान के स्टोर में घुसे चोर को चोरी किए गए तार के साथ पकड़ा। इस वारदात की भनक लगने पर इकट्ठा हुए कारोबारियों की भीड़ ने जमकर धुन दिया। पकड़े गए युवक को जीजीआईसी चौकी लाए जाने पर वहां कोई पुलिस कर्मी नहीं मिला। लगभग आधा घंटे बाद हंगामे की जानकारी पाकर एसएचओ मनोज कुमार सिंह यादव पुलिस बल के साथ पहुंचे। चोर को थाने लाकर पूछताछ की गई।

हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप, मुकदमा

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र के बभनगावां मोहल्ले में रविवार को एक युवक का शव में छत की कुंडी से लटकता मिला था। इस मामले में एडीजी जोन गोरखपुर अखिल कुमार के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने करीब एक माह बाद हत्या का केस दर्ज किया है। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है। बभनगावां निवासी आदित्य श्रीवास्तव (20) पुत्र कमलेश कुमार श्रीवास्तव का शव सात अगस्त 2022 की सुबह करीब सात बजे घर के अंदर छत से लटकता मिला था। घटना के वक्त वह घर पर अकेला था। गोरखपुर से मृतक के चाचा सूचना पाकर मौके पर पहुंच गए थे। मृतक शहर में ही एक बिरयानी की दुकान पर सेफ का काम करता था। कुछ समय पहले उसने वहां काम करना बंद कर दिया था। मृतक आदित्य श्रीवास्तव के पिता कमलेश कुमार श्रीवास्तव का आरोप है कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके बेटे की साजिश के तहत हत्या कर डाली। इसके बाद इसे छिपाने के लिए उसके शव को फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। प्रकरण में एडीजी जोन गोरखपुर के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा कायम कर छानबीन शुरू कर दी है।

चीता संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता

अयोध्या। सामाजिक वानिकी की ओर से कम कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय तुरशमपुर में चीता के संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान चीता के विषय में निबंध लेखन एवं चित्रकला का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय वन अधिकारी वन रेंज कुमारगंज प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने की। उन्होंने छात्रों को चीता के बारे में जानकारी दी। कहा कि चीता की संख्या भारत में 1952 से कम हो रही है, जो चिंता का विषय है। साथ ही पर्यावरण भी असंतुलित हो रहा है। वन अधिकारी ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर देश में करीब 70 साल बाद एक बार फिर से चीते दिखाई देंगे। पीएम की उपस्थिति में 17 सितंबर को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में 8 चीते छोड़े जाएंगे। ये चीते नामीबिया से भारत लाए जाएंगे। जो जीता संरक्षण के प्रयोग में एक बड़ा योगदान सिद्ध होगा। कार्यक्रम के समापन होने पर विद्यालय के छात्र छात्राओं को वन विभाग ने लड्डू खिलाकर मुंह भी मीठा कराया। इस मौके पर बीट प्रभारी अंबिका प्रसाद चौबे, दीपक शुक्ला समेत विद्यालय के अध्यापक समेत वन कर्मी मौजूद रहे।

लावारिस दशा में मिली नवजात को चाइल्ड लाइन ने एसएनसीयू कराया भर्ती

बाराबंकी। बीते मंगलवार को लखनऊ–सुल्तानपुर हाइवे के किनारे राष्ट्रीय इण्टर कालेज के गेट के सामने बने नाला में मंगलवार की सुबह लावारिस दशा में मिली नवजात लड़की को बुधवार को चाइल्ड लाइन 1098 की टीम ने अपने संरक्षण में लेकर जिला अस्पताल में एसएनसीयू में भर्ती कराया है। गौरतलब है कि मंगलवार की सुबह मार्निंग वाक पर निकले लोगों ने स्कूल के गेट के सामने बने नाला के अंदर से नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनी। राहगीरों ने नाले में झुककर देखा तो दंग रह गए। कपड़े में लिपटी नवजात बच्ची नाले के अंदर पड़ी थी, जिसे प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संचालक अजय त्रिवेदी ने घटना स्थल से चंद कदम दूर स्थित सीएचसी परिसर में प्रेरणा कैन्टीन चलाने वाली मीना गुप्ता के सहयोग से बच्ची को नाले से बाहर निकाला और बच्ची को इलाज के लिए सीएचसी पहुँचाया था। तत्समय सीएचसी के डॉक्टर मुकुंद पटेल ने इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कर लिया। आज चाइल्ड लाइन की टीम सदस्य जीनत बेबी और प्रदीप कुमार ने नवजात को उचित इलाज और विधिक संरक्षण के लिए सीएचसी से अपने संरक्षण में लेकर जिला अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती करा दिया है। बच्ची का वजन मानक से कम है और स्वास्थ्य ठीक नही है। बच्ची के विधिक संरक्षण के लिए बाल कल्याण समिति से अनुरोध किया गया है।

जिले के कई साहित्यकारों ने हिंदी के लिए बढ़ाए कदम, मिला सम्मान

गोण्डा। जिले में हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने वाले साहित्यकारों को सम्मान से नवाजा गया। शहर के निवासी डॉ .सूर्यपाल सिंह को साल 2018 साहित्य भूषण सम्मान मिला था। उपन्यासकार व प्रसिद्ध एकांकीकार डॉ. सूर्यपाल सिंह लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में अध्यापन का कार्य किया। इसके बाद वह सिद्धार्थनगर के भटौली महाविद्यालय में बतौर प्राचार्य रहे और वहीं से सेवानिवृत्त हुए।

11 महीने बाद खब्बू तिवारी जेल से रिहा,जेल के बाहर समर्थकों ने किया जोरदारत स्वागत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में गोशाईगंज से भाजपा के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू शाम 5 बजे फैजाबाद जेल से रिहा हो गए। फर्जी मार्कशीट के मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें 3 दिनों से अंदर रिहा करने का आदेश दिया था। रिहा होने के बाद समर्थकों ने पुष्प वर्षा कर अपने नेता का स्वागत किया। महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल सहित तमाम भाजपा के कद्दावर नेताओं ने जेल गेट पर उनका स्वागत किया। भाजपा के निवर्तमान विधायक खब्बू तिवारी के स्वागत के लिए मंडल कारागार के बाहर समर्थकों की भीड़ जुटी हुई है। समर्थक भाजपा के झंडे लहरा कर अपने नेता के जेल से बाहर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैंस फैजाबाद कारागार से निकलने के बाद वाहनों के काफिले में सवार

होकर खब्बू तिवारी सीधे हनुमानगढ़ी जाएंगे। वहां वह दर्शन पूजन करेंगे। अयोध्या में गोशाईगंज के पूर्व विधायक खब्बू तिवारी को फर्जी मार्क शीट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगाने के साथ ही निचली कोर्ट के सजा बरकरार रखने के आदेश को भी खारिज कर दिया हैस खब्बू तिवारी को जमानत मिलने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। उनके करीबी राजेश कुमार मिश्र ने सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को न्याय की जीत बताया है। इंद्र प्रताप तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी को फैजाबाद न्यायालय की जज पूजा सिंह ने फर्जी मार्क शीट के मामले में 15 अक्टूबर 2021 को 5 साल की सजा सुनाई थी। इस आदेश को उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ की न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा ने जनवरी 2022 के आदेश में बरकरार रखा था।

करंट लगने से बुजुर्ग किसान की मौत

अयोध्या। बीकापुर में मवेशियों के लिए चारा लेने गए बुजुर्ग किसान विद्युत करंट की चपेट में आकर बेहोश हो गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन घायल को सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मश्त घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तारुन थाना क्षेत्र के बारा गांव निवासी 60 वर्षीय संतराम यादव बुधवार को अपने घर से दूर खेतों में पशुओं के लिए चारा काटने गया था। दूसरी ओर किसान के खेत में विद्युत पोल का तार टूटा हुआ पड़ा था। जिसकी चपेट में आकर किसान बेहोश होकर खेत में ही गिर पड़ा। परिजन व ग्रामीणों को जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन ले आए।

जहां पर मौजूद डॉक्टर नन्हकू राम ने परीक्षण करने के बाद उसे मश्त घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची तारुन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आज भी हिंदी अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत है : डॉ विनीता

बाराबंकी। हिंदी दिवस के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय युवा स्वयं सेविका आरती कनौजिया एवम् राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक विनय कुमार के नेतश्त्व में टीआरसी महाविद्यालय सतरिख में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता मुख्य अतिथि डॉ विनीता पांडे एवं राष्ट्रीय युवा स्वयंसेविका आरती कनौजिया ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन दीबा नाज ने किया। मुख्य अतिथि डॉ विनीता पांडे ने कहा कि देश को एकता के सूत्र में पिरोने में हिंदी ने मध्यकाल में भक्ति एवं सूफी आंदोलन के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। आज भी हिंदी अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदी एकमात्र विश्व की ऐसी भाषा है जिसमें अपने समकालीन सभी भाषाओं (उर्दू, फारसी, फ्रेंच, पुर्तगाली) आदि को समश्द्धि किया एवं उन भाषाओं को आत्मसात भी किया। इस अवसर पर अध्यापक अध्यापिका कविता चौधरी और आदेश कुमार तिवारी, राजेश कुमार वर्मा एवं राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक विनय कुमार ने अपने अपने विचार हिंदी दिवस पर रखे एवम् कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई जिसमें निबंध लेखन में प्रथम शिवम यादव, द्वितीय रोशनी देवी एवं तश्तीय प्राची वर्मा रही एवं लोकगीत में प्रथम ज्योति, द्वितीय उमा देवी, तश्तीय सियावती ने स्थान प्राप्त किया।

16 गांवों की 80 हजार आबादी को मिलेंगी शहर जैसी सुविधाएं

बस्ती। जिले की 13 ग्राम पंचायतों के 16 गांवों के करीब 80,000 की आबादी को शहर जैसी सुविधाएं मिलेंगी। स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत 16 गांवों का मॉडल गांव के रूप में चयन किया गया है। पहले चरण में इनमें करीब 7. 39 करोड़ रुपये खर्च कर विकास कार्य कराए जाएंगे। जिले में कुल 1185 ग्राम पंचायतें हैं। जिन ग्राम पंचायत में पांच हजार से अधिक की आबादी निवासी करती है उसे आदर्श गांव के रूप में चयनित किया गया है। ग्राम पंचायत महसों खास, जमदाशाही, सिकंदरपुर और भानपुर में काम शुरू कराने के लिए शासन से धनराशि भी मिल चुकी है। इन मॉडल गांवों में सूखे व गीले कूड़े के निस्तारण के लिए मशीनें लगेंगी। सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाते हुए जलभराव की समस्या को भी दूर किया जाएगा। हैंडपंपों पर सोक पिट लगाने के साथ ही किचन गार्डेन की स्थापना की जाएगी। इसके साथ स्टार्म वॉटर प्रबंधन, हैंडपंप प्लेटफार्म, यू टाइप नाली, तालाबों का सौंदर्यीकरण, तालाबों पर फिल्टर चौंबर, सामुदायिक एवं संस्थाओं के लिए सोक पिट, सामुदायिक स्थानों पर इंसिनरेटर, एकीकृत ठोस अवशिष्ट प्रबंध, ई–कूड़ा गाड़ी, कचरा पात्र, सामुदायिक बॉयो गैस प्लांट, सामुदायिक वर्मी कंपोस्टिंग, कंपोस्ट पिट, व्यक्तिगत बॉयो गैस प्लांट आदि का निर्माण कार्य कराया जाएगा। योजनांतर्गत तीन ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इनमें कलवारी मुस्तकाम, महसों खास, मड़वानगर, श्रीपालपुर, बलवारी जंगल, बानपुर, सिकंदरपुर, धवली, परसा खुर्द, अवगौवा जंगल, अमरौली सुमाली, जमदाशाही, अमोड़ा खास गांव शामिल हैं। इन ग्राम पंचायतों के कलवारी मुस्तहकामी, महसो खास, मड़वानगर, श्रीपालपुर, बेलवरिया जंगल, बानपुर, सिकंदरपुर खास, धवाई, परसा खुर्द व बुजर्ग उर्फ दरियापुर जार, अजगैवा जंगल, बारह क्षेत्र, बड़ाना, अमरौली शुमाली, शिवा, जामदाशाही, अमोरा खास का चयन आदर्श गांव के रूप में किया गया है।

फंदे से लटकता मिला इंस्पेक्टर का शव, पत्नी बोली, सुसाइड नहीं कर सकते

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में बुधवार को इंस्पेक्टर ओंकार नाथ का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की सूचना पर घरवाले भी मौके पर पहुंचे। पत्नी रोते हुए कह रही थी, श्श्आप ऐसा नहीं कर सकते हैं। आखिर इतनी बड़ी घटना की वजह क्या है? यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिवार के लोग भी इस बारे में कुछ नहीं बता पा रहा है। पुलिस भी वजह का पता लगाने में उलझी हुई है। इंस्पेक्टर ओंकार नाथ (46) पूरा कलंदर थाने में तैनात थे। देर रात सिटी कोतवाली में उनका ट्रांसफर कर दिया गया था। आज ही उनको अपना कार्यभार ग्रहण करना था। ओंकार नाथ संत कबीर नगर के रहने वाले थे। थाने के सामने ही मैनुद्दीन

पुर गांव है। वहां पर किराए का कमरा लेकर अकेले रहते थे। परिवार संतकबीर नगर में रहता है। मकान मालिक अर्जुन सिंह ने बताया, ष्वह आज सुबह 6 बजे मॉर्निंग वॉक करके कमरे पर पहुंचे थे। अंदर से कमरा बंद कर लिया। जब आवाज दिया, तो कोई आवाज नहीं आई। काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा। इसके बाद भी दरवाजा नहीं खुला, पुलिस को सूचना दी। सूचना पर एसएसपी प्रशांत वर्मा,एसपी सिटी मधुबन सिंह समेत कई अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए। घर वालों को सूचना दे दी गई है। इसके बाद पत्नी और परिवार के लोग पहुंचे। इंस्पेक्टर ओंकार की पत्नी का रो–रोकर बार–बार बेहोश हो जा रही थी। रोते हुए वह बार–बार यह कह रही है, तुम जब बुलाते थे या बीमार होते थे, तो तुरंत आ जाती थी।

पेट्रोल पंप मैनेजर की दबंगों ने की पिटाई

गोण्डा। गोंडा में एक पेट्रोल पंप पर दबंगई और मारपीट का मामला सामने आया है। मामूली विवाद और पेट्रोल डलवाने को लेकर दबंगों का पेट्रोल पंप मैनेजर से कहासुनी हो गई। जिसके बाद उसे खींचकर मारने पीटने लगे। यह दबंगई काफी देर तक चलती रही। इस दौरान डायल 112 पुलिस भी मौके पर पहुंची। लेकिन दबंग खादी के सामने भी पेट्रोल पंप मैनेजर को पीटते रहे। पूरा मामला कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र में गोंडा लखनऊ हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंप का है। जहां के मैनेजर कैलाश तिवारी से कुछ लोगों की कहासुनी हो गई। मामूली विवाद के चलते पहले दबंगों ने गाली गलौज की। उसके बाद मारपीट पर आमादा हो गए। केबिन से खींच कर दबंगों ने पेट्रोल पंप मैनेजर को पीटा। काफी देर तक दबंगई का यह सिलसिला चलता रहा। मारपीट और दबंगई का पूरा वीडियो पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वायरल वीडियो में डायल 112 पुलिस मौके पर खड़ी है।

हाउस अरेस्ट करने के निंदनीय कृत्य के विरोध में राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जनता को महंगाई बेरोजगारी से निजात दिलाने के बजाय जनता के हक अधिकारों की आवाज उठाने वाले विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए सारी ताकत लगा रही है भाजपा सरकार। उक्त विचार समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने समाजवादी पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्रियों को हाउस अरेस्ट करने का जो निंदनीय कृत्य किया गया है उसके विरोध में महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय के नीचे छाया चौराहे पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपते हुए उपस्थित कार्यकर्ता और पत्रकार बंधुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज हमारी पार्टी के विधानमंडल दल के नेता द्वारा जनता के हक अधिकारों एवं उनकी समस्याओं को उठाने के लिए लिए समाजवादी पार्टी के सभी मौजूदा और पूर्व विधायक मंत्रियों को विधानसभा मे स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने जनसमस्याओं को उठाने के लिए आज लखनऊ बुलाया

था लेकिन उत्तर प्रदेश की मौजूदा भाजपा सरकार ने सभी विधायक, पूर्व मंत्री और पूर्व विधायकों को उनके घरों पर ही हाउस अरेष्ट कराने का काम किया। इस तानाशाही रवैया से यह प्रतीत होता है कि मौजूदा सरकार का लोकतंत्र मे कोई विश्वास नहीं है। वह लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है। विपक्ष जनता की आवाज होता है और यह सरकार विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती जो कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा हम इसकी घोर निंदा करते हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी निरंतर जनसमस्याओं प्रदेश की जनता के हक अधिकारों के लिए हमेशा लड़ते रहे और लड़ते रहेंगे सड़क से लेकर संसद तक हमेशा समाजवादी पार्टी ने जन समस्याओं को उठाने का काम किया है आज जो कृत किया गया है वह बहुत ही निंदनीय हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश से यह मांग करते हैं कि ऐसी जालिम जुल्मी सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाए और विपक्ष की मांगों को मानते हुए जन सामान्य को राहत देने का काम किया जाए बढ़ती महंगाई पर रोक लगाई जाए बेरोजगारी समाप्त की जाए किसानों की समस्याओं का तुरंत हल निकाला जाए स्वास्थ्य व्यवस्था मे सुधार किया जाए। ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष कामता प्रसाद यादव, मोहम्मद सबाह, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष जसवंत यादव, दीपक गुप्ता, मुजीब अंसारी, अल्पसंख्यक सभा के नगर अध्यक्ष हफीज सलमानी, जिला पंचायत सदस्य चक्खन यादव, दीप नारायण यादव, पंकज यादव, राजकुमार वर्मा, दीपक रावत, शैफ अंसारी, आदि प्रमुख लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सपा के लोगो को किया गया नज़रबंद

बाराबंकी। पूर्व विधायक रामगोपाल रावत व पूर्व जिला पंचायत सदस्य इं कृष्ण कुमार रावत को उनके आवास पर पुलिस बल तैनात कर किया गया। नजरबंद मौजूदा सरकार का रवैया निंदनीय सरकार में बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था पर ध्यान न देना वंचितों शोषितों का शोषण दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। न्याय की आशा लिए लोग दर बदर भटक रहे हैं कोई सुनने वाला नहीं हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार को उनके कर्तव्यों से दूर भागने पर 4 दिवसीय धरना प्रदर्शन कर सरकार को उनके कर्तव्यों को याद दिलाने के लिए किया गया था। शोषित वंचितों से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी छीन रही सरकार का रवैया निंदनीय है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।